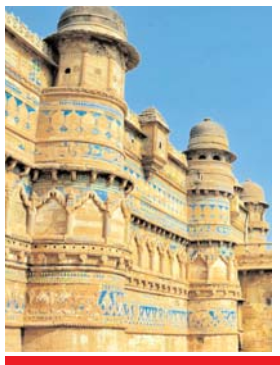

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 285 | ग्वालियर, शनिवार 5 अगस्त 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

अब 20 की स्पीड पर खाते से कटेगा टोल

नई दिल्ली। देश में सड़कों का जाल बिछा हुआ है. अब ज्यादातर शहरों की दूरी घटकर कम हो गई है. क्योंकि हर शहर के लिए चमचमाती सड़क सरकार ने बना दी है. लेकिन आपको जानकर हैराना होगी कि अब सड़क एवं परिवहन विभाग टोल टैक्स कलेक्शन की टैक्नोलॉजी इंप्रुव कर रहा है. नए सिस्टम के तहत आपको टोल नाके पर गाड़ी रोकने की जरूरत नहीं होगी. बल्कि गाड़ी की स्पीड में ही खाते से टोल टैक्स के पैसे कट जाएंगे. सड़क राज्य परिवहन मंत्री के मुताबिक नए टोल कलेक्शन का अभी परीक्षण किया जा रहा है. जल्द ही ट्रायल भी शुरू किया जाएगा. जिसके बाद फास्टैग के दिन खत्म हो जाएंगे. आपको बता दें कि अभी तक पूरे देश में फास्टैग व्यवस्था लागू है. लेकिन आने वाले दिनों में फास्टैग का जमाना खत्म हो जाएगा. क्योंकि टोल बूथों पर टोल कलेक्शन के लिए बैरियर रहित टोल बूथों की स्थापना होना बताया जा रहा है. जिससे आपकी गाड़ी की स्पीड कम हुए बगैर ही आपके खाते से पैसा कट जाएगा. यही नहीं इससे इस झंझट से भी मुक्ति मिल जाएगी कि मैने तो कम टोल रोड यूज की है. सरकार का मानना है कि इससे टोल पर चलने वाली वीआईपी कल्चर भी खत्म हो जाएगी. जो भी गाड़ी टोल रोड से गुजरेगी खाते से पैसे कट जाएंगे. हालांकि अभी इसका परीक्षण चल रहा है, लागू कब तक होगा इसकी कोई डेट निर्धारित नहीं की गई है। सरकार बैरियर-रहित टोल टैक्स कलेक्शन सिस्टम शुरू करने की योजना बना रही है. इसका परीक्षण फिलहाल मेरठ दिल्ली हाईवे पर किया जा रहा है. ब ताया जा रहा है कि परीक्षण सफल होने के बाद लागू करने की डेट निर्धारित की जाएगी. बताया जा रहा है कि इससे आपके अकाउंट से सिर्फ उतना ही पैसा कटेगा, जितना आपने टोल रोड़ को यूज किया है. परिवहन राज्य मंत्री ने बताया कि इससे लोगों का टाइम बचेगा. साथ ही टोल पर आने वाले खर्च से भी एनएएचआई को मुक्ति मिल जाएगी. परिवहन मंत्री के मुताबिक आप सिर्फ 10 सेकंड में टोल से क्रॉस हो जाएंगे.

यूं भारत में दाखिल हुई सीमा हैदर! एसएसबी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। सीमा हैदर मामले में बड़ा खुलासा! खबर है कि सशस्त्र सीमा बल यानि स्सक्ने अपने एक हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है. दरअसल निलंबित हेड कांस्टेबल भारत-नेपाल बॉर्डर के खुनवा चेकपोस्ट पर तैनात थे. खबरों के मुताबिक उन्हीं की लापरवाही के चलते, पाकिस्तानी सीमा हैदर अपने चार बच्चों के साथ भारत में घुसपैठ करने में कामयाब हुई. फिलहाल इस मामले में अभी जांच जारी है, जल्द ही सशस्त्र सीमा बल की टीम कई बड़े खुलासे कर सकती है। दरअसल आजकल हर जगह सीमा सुर्खियों में हैं. मोहब्बत से मुलाकात तक का उसका सफर कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसे लेकर भारतीय सुरक्षा एजेंसियां लगातार तमाम पहलुओं पर तफ्तीश कर रही है. इसी बीच खबर आई है कि सशस्त्र सीमा बल ने इस मामले में बड़ा फैसला लिया है. स्सक्ने भारत-नेपाल सीमा पर सीमा हैदर की बस की जांच करने वाली हेड कांस्टेबल को निलंबित करने का फरमान जारी कर दिया है. गौरतलब है कि स्सक्द्वारा बीती 2 अगस्त को एक आदेश जारी किया गया था, जिसमें भारत-नेपाल बॉर्डर के खुनवा चेकपोस्ट पर तैनात एक हेड कांस्टेबल को सीमा हैदर और उसके चार बच्चों की भारत में घुसपैठ का दोषी करार दिया गया था. स्सक्द्वारा जारी इस आदेश में लिखा था कि नेपाल से भारत आ रही बस, जिसमें 35 यात्री सवार थे उसकी जांच की जिम्मेदारी 43 बटालियन के हेड कांस्टेबल चंद्र कमल कलिता की थी. दावा किया जा रहा था कि बस में सवार सभी 35 यात्रियों की जांच प्रोटोकॉल के तहत की गई थी. लिहाजा एक पाकिस्तान महिला अपने चार बच्चों के साथ भारत में प्रवेश कर चुकी है, इस बात की उनको भनक तक नहीं लगी और वो इस घुसपैठ को रोकने में नाकाम रहे. जानकारी मिली कि नेपाल से भारत में दाखिल हो रही बस की सीट नंबर 28 खाली थी, वहीं सीट नंबर 37, 38, 39 पर 14, 13 और 8 वर्ष के बच्चे यात्रा कर रहे थे. ये एक और झूठ और छल का खुलासा करता है.

राजस्थान में नाबालिग का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार, एक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की का कथित तौर पर पांच लड़कों ने अपहरण कर लिया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है। डूंगरपुर एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मांडवा खापरदा निवासी राजू मीना के रूप में हुई है। राजू समेत पांच आरोपियों ने, जो लड़की को पहले से जानते थे, बुधवार को स्कूल से घर लौटते समय उसका अपहरण कर लिया।

क्या सुप्रीमकोर्ट का फैसला राहुल गांधी के लिए बना संजीवनी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के लिए शुक्रवार का दिन शुभ संकेत लेकर आया है. मोदी सरनेम के मामले में उन्हें बड़ी राहत मिली है. सूरत की निचली अदालत ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया था. इसके साथ सजा भी सुनाई थी. इस फैसले के बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता चली गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने अब राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने के साथ सुनाई गई सजा पर रोक लगा दी है. सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, जब तक राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है तब तक दोषसिद्धि पर पांबदी लगी रहेगी. इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को अधिकतम सजा सुनाए जाने पर भी सवाल खड़े किए हैं. सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन के लिए कई मायनों काफी खास माना जा रहा है.

इसे लेकर कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा,सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में लोकतंत्र, संवैधानिकता और सत्य की जीत के सिद्धांत में आम लोगों के विश्वास को फिर से स्थापित किया है. वहीं केरल कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला का कहना है कि केरल के लोग, विशेषकर वायनाड के लोग खुश होंगे क्योंकि उन्हें अपना सांसद वापस मिल गया है. भाजपा को इस मुद्दे पर माफी मांगनी चाहिए. भारत की सर्वोच्च अदालत को एहसास हुआ कि यह राहुल गांधी को चुप कराने का एक प्रयास है. कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि आप संसद परिसर में हर जगह सत्यमेव जयते देखेंगे. राहुल गांधी के खिलाफ साजिश आज विफल हो गई है. राहुल गांधी की जीत सत्ताधारी पार्टी पर भारी पड़ेगी. सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के साथ ही राहुल गांधी के लिए संसद का रास्ता दोबारा खुल जाएगा. अब राहुल लोकसभा की सदस्यता बहाल हो सकती है. राहुल को संसद की सदस्यता के अयोग्य करार देने के बाद अगर वायनाड सीट पर उपचुनाव हो गए होते तब उनकी सदस्यता बहाल नहीं हो पाती. वायनाड में अभी तक उपचुनाव नहीं हुए हैं. ऐसे में राहुल 2024 में लोकसभा चुनाव भी लड़ सकेंगे. अगर सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को सजा और दोषी करार दिए जाने के निचली अदालत के निर्णय पर पाबंदी नहीं लगाई होती तो वे 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं खड़े हो पाते.

निवेशकों को मिला बड़ा तोहफा, गृह मंत्री अमित शाह ने डूबा पैसा किया अकाउंट्स में ट्रांसफर

सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से ट्रांसफर किया गया पैसा, केन्द्रीय मंत्री ने 120 लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपए की पहली किस्त की ट्रांसफर, अब तक 18 लाख लोग करा चुके हैं पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। सहारा समूह के खाताधारकों के लिए खुशखबरी है. क्योंकि निवेशकों के खाते में पहली किस्त डाल दी गई है. जानकारी के मुताबिक पहली किस्त के 10-10 हजार रुपए स्वयं गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहारा पोर्टल के माध्यम से ट्रांसफर किये हैं. सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से पैसा ट्रांसफर करने के बाद अमित शाह ने कहा कि अब तक कुल 18 लाख लोग पोर्टल रजिस्ट्रेशन रिफंड के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि रिफंड की पहली किस्त आज 112 लोगों को ट्रांसफर की गई है.. ये सिलसिला चलता रहेगा.

दअसल, 18 जुलाई को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सहार इंडिया पोर्टल लॉन्च किया था. जिसका मकसद निवेशकों के पैसे लौटाना था. पोर्टल के माध्यम से सहारा के उन निवेशकों के पैसे दिये जा रहे हैं जिनके निवेश की अवधि पूरी हो चुकी है. आपको बता दें कि सहारा इंडिया की को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के 10 करोड़ निवेशकों के पैसे फंसे हुए हैं. जिसमें देश के हर राज्य के निवेशक शामिल हैं. पैसे न मिलने पर निवेशकों ने सरकार से पैसे दिलाने की गुहार लगाई थी. मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने दखल दिया था. जिसका नतीजा ये रहा कि निवेशकों के पैसे वापस मिलना शुरू हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक मंत्रालय ने सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों के वास्तिवक सदस्यों व जमाकर्ताओं की शिकायतें दूर करने के लिए एक समीति बनाई थी. जिसके माध्यम से मंत्रालय ने ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया था. इसी साल मार्च माह में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं का भुगतान सहारा-सेबी अकाउंट से 5,000 करोड़ रुपये सेंट्रल रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज में ट्रांसफर किए जाएं. निवेशकों को उनका पैसा मिल सके।

इस्तांबुल में दो आतंकी साजिशें नाकाम की

इस्तांबुल। तुर्की की आतंकवाद निरोधक पुलिस ने देश के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में आतंकी हमले करने की दो साजिशों को नाकाम कर दिया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जो विस्फोटकों के साथ बेरामपासा जिले के एक शॉपिंग सेंटर में घुस गए थे। दैनिक हुर्रियत की रिपोर्ट के अनुसार, जब वे शॉपिंग सेंटर से गुजर रहे थे तो उनमें से एक संदिग्ध के पास एक बैग था, जिसमें अचानक आग लग गई। तुर्की द्वारा आतंकवादी समूह के रूप में सूचीबद्ध प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) से जुड़े दो संदिग्धों ने स्वीकार किया कि उन्होंने एक स्टोर में विस्फोटकों से भरा बैग छोड़ने की योजना बनाई थी।

केरल में साइबर अपराध के आरोपियों से वसूली करते पकड़े गए कर्नाटक पुलिस के 4 जवान निलंबित

बेंगलुरु। साइबर धोखाधड़ी के आरोपी से जबरन वसूली के आरोप में केरल पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए कर्नाटक के चार पुलिसकर्मियों को शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने दिया है। निलंबित पुलिसकर्मियों की पहचान इंस्पेक्टर शिवप्रकाश, हेड कांस्टेबल विजय कुमार, शिवन्ना और कांस्टेबल संदेश के रूप में हुई है। सभी बेंगलुरु के साइबर-आर्थिक अपराध और नारकोटिक्स (सीईएन) पुलिस स्टेशन से जुड़े थे। आरोपी पुलिस अधिकारी एक ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में केरल गए थे, जिसमें चांडक श्रीकांत नामक व्यक्ति से 26 लाख रुपये की ठगी की गई थी। चांडक श्रीकांत से टेलीग्राम पर नीता संपत नाम की महिला ने संपर्क किया था, जिसने उन्हें पार्ट टाइम जॉब की पेशकश करने का लालच दिया था। पीड़ित को प्रोडक्ट की समीक्षा देने और पैसे कमाने के लिए कहा गया था। नीता संपत ने भारी रिटर्न की पेशकश करते हुए खाते में 26 लाख रुपये ट्रांसफर कराए और लापता हो गई। जिसके बाद चांडक श्रीकांत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। व्हाइटफील्ड सीईएन पुलिस ने मामले की जांच की।

नूंह हिंसा को लेकर एसपी का तबादला, रोहिंग्या की बस्ती पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। नूंह हिंसा के मामले में हरियाणा सरकार की ओर से बड़ी कार्रवाई हुई है. नूंह के एसपी वरुण सिंगला का तबादला कर दिया गया है. उनके स्थान पर नरेंद्र बिजारनिया को कमान सौंपी गई है. वे नूंह के नए एसपी बनाए गए हैं. वरुण सिंगला के अवकाश पर होने पर नरेंद्र बिजारनिया को भिवानी से नूंह भेजा गया था. मगर वरुण सिंगला वापस ड्यूटी पर लौट आए थे. अब हरियाणा सरकार ने नूंह में नरेंद्र बिजारनिया की स्थाई नियुक्ति का आदेश दिया है. आपको बता दें कि नूंह हिंसा में अब तक कुल 6 लोगों की मौत हो चुकी है. हिंसा के संबंध में पुलिस ने अब तक 93 एफआईआरदर्ज कराई हैं. इसमें नूंह से 46, फरीदाबाद जिले से 3, गुरुग्राम जिला में 23, रेवाड़ी जिला में तीन और पलवल जिला में 18 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं. पुलिस के अनुसार, नूंह में हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं. बताया जा रहा है कि शनिवार तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहने वाली हैं. इसकी समीक्षा करके आगे की रणनीति तय होगी. हरियाणा के मेवात-नूंह में हुए दंगों के बाद अब पुलिस ने भी ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस ने दंगों की शुरुआती जांच के बाद नूंह में रोहिंग्याओं और अवैध घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने तावडू रोहिंग्याओं और अवैध घुसपैठियों के कब्जों पर बुलडोजर चला दिया है. जांच में सामने आया है कि ये लोग हिंसा में शरीक थे. हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन पर रोहिंग्याओं ने अवैध कब्जा किया हुआ था. ऐसा बताया जा रहा है कि ये लोग हिंसा में शामिल थे. ऐसे में पुलिस अवैध कब्जे पर बुलडोजर चला दिया है. पुलिस को अभी तक जांच में ये पता लगा है कि हिंसा एक योजना के तहत हुई थी. अधिकतर गिरफ्तार आरोपियों की उम्र 19 से 25 साल बताई गई.

पीएम मोदी ने विपक्ष के गठबंधन को दिया नया नाम, बताया घमंडिया

नई दिल्ली। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों एक दूसरे पर हमलावर हैं. मकसद एक ही है सत्ता की चाबी हासिल करना. यही वजह है कि विपक्षी दलों ने मिलकर एक गठबंधन किया और हाल में इसको एक नया नाम दिया. गठबंधन के नामकरण के बाद से ही सत्ताधारी एनडीए इस नाम को लेकर वार-पलटवार कर रहा है. इसी कड़ी में अब एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गठबंधन का नया नाम रखा है. पीए मोदी ने इंडिया गठबंधन को घमंडिया कहकर संबोधित किया है. आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला.

दरअसल पीएम मोदी मिशन 2024 के मद्देनजर इन दिनों लगातार सहयोगी दलों और सांसदों के साथ बैठकें कर रहे हैं. इसी कड़ी में उन्होंने बीते दिन बिहार के एनडीए सांसदों

के साथ मीटिंग की. इस बैठक में पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन को घमंडिया गठबंधन कह कर बुलाया. उन्होंने कहा कि, इस गठबंधन को इंडिया ना कहते हुए घमंडिया कहना चाहिए. पीएम मोदी ने कहा कि विपक्षी दलों का इंडिया नाम रखने के पीछे खास मकसद है. दरअसल विपक्ष खास तौर पर कांग्रेस के लिए क्के पुराने पापों को धोना चाहते हैं. यही वजह है कि वो अपने पुराने गठबंधन को अब नया नाम देकर जनता के साथ भी धोखा ही कर रहे हैं. पीएम मोदी ने ये भी कहा कि नए गठबंधन का नाम उनकी इंडिया के प्रति सेवा भाव नहीं बल्कि गरीबों को कुचलने और देश को लूटने का मकसद है. बता दें कि ये पहली बार नहीं इससे पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गठबंधन के नाम को लेकर तंज कसा था. इससे पहले पीएम मोदी ने कहा था कि ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिद्दीन के नाम में भी इंडिया छिपा हुआ है. हालांकि उनके इस बयान को लेकर विपक्ष की ओर से भी बयानबाजियां की गई थीं. विपक्ष का कहना था कि इंडिया नाम के तो कई अभियान भी चल रहे हैं और इनको नाम भी पीएम मोदी ने ही दिया है मसलन मेक इन इंडिया आदि.

ज्ञानवापि मस्जिद के एएसआई सर्वेक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस हालिया आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें एएसआई को वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में वजू खाना को छोड़कर पूरे परिसर का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़, जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा दिए गए वचन को दर्ज किया कि वह सर्वेक्षण के दौरान स्थल पर कोई खुदाई नहीं करेगा। शीर्ष अदालत ने आगे निर्देश दिया कि एएसआई मौजूदा संरचना को कोई नुकसान पहुंचाए बिना गैर-आक्रामक पद्धति का उपयोग करके सर्वेक्षण प्रक्रिया को पूरा करेगा। पीठ ने मस्जिद प्रबंधन समिति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हुज़ेफ़ा अहमदी के उस अनुरोध पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि एएसआई रिपोर्ट को तब तक सीलबंद लिफाफे में रखा जाना चाहिए जब तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से संबंधित एक और लंबित याचिका पर फैसला नहीं हो जाता। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए उल्लेख किए जाने के बाद अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी द्वारा दायर याचिका पर आज सुनवाई करने के लिए सहमत हुआ था।

जेल में मनेगी मनीष सिसोदिया की राखी

सुप्रीम कोर्ट में मनीष सिसोदिया ने मेडिकल ग्राउंड के आधार पर जमानत की मांग की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी इस पर सुनवाई नहीं होगी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला कांड में मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. मेडिकल ग्राउंड के आधार पर अंतरिम जमानत मांग रहे मनीष सिसोदिया को राहत नहीं मिली है. सिसोदिया फिलहाल जेल में बंद हैं. सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है. कोर्ट ने रेगुलर जमानत वाले मामले को 4 सितंबर तक टाल दिया है. अब 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई करेगा.

बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट में मनीष सिसोदिया ने मेडिकल ग्राउंड के आधार पर जमानत की मांग की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी

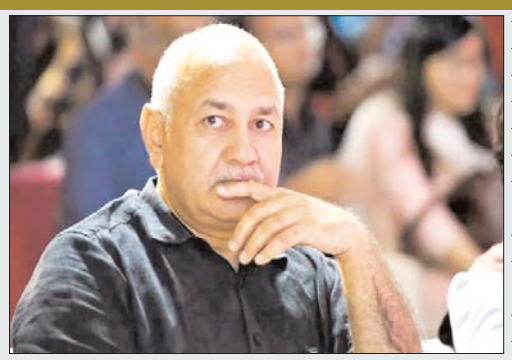

इस पर सुनवाई नहीं होगी. 4 सितंबर को ही रेगुलर बेल याचिका के साथ इस पर सुनवाई होगी. सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी ईडी को इस मामले में अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा है. गौरतलब है कि, दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को आबकारी नीति लागू की थी, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सितंबर 2022 के आखिर में इसे वापस ले लिया गया था. दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के पास आबकारी विभाग भी था. सीबीआई ने शराब घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए पहली बार 26 फरवरी को उन्हें गिरफ्तार किया था. सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था. ईडी ने तिहाड़ जेल में मनीष सिसोदिया से पूछताछ के बाद 9 मार्च को सीबीआई की एफाईआर से जुड़े धनशोधन मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था. इससे पहले उच्च न्यायालय ने 30 मई को सीबीआई मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि उपमुख्यमंत्री एवं आबकारी विभाग का मंत्री होने के नाते वो एक हाईप्रोफाइल व्यक्ति हैं, जो गवाहों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं.

कमलनाथ से मिले कांग्रेसी- कहा- कितनी भी मेहनत कर लें करैरा विधायक रिपीट नहीं होंगे

शिवपुरी। खबर भोपाल मध्यप्रदेश से जहाँ विधानसभा चुनाव जैसे जैसे पास आ रहे है बही एक ही पार्टी के नेता अपनी ही पार्टी के सदस्यों को टिकिट हासिल करने में मुश्किल खड़ी कर रहे है। ऐसे ही घटना भोपाल के पीसीसी कार्यालय से सामने आई है जहां शिवपुरी के कुछ कांग्रेसी नेता अपनी ही पार्टी के वर्तमान विधायक का टिकट कटाने पर अमादा हैं। बही इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक वीडियो 6 दिन पुराना बताया जा रहा है जहा करैरा विधानसभा के कांग्रेसी नेता कमलनाथ से मिलने भोपाल के पीसीसी कार्यालय पहुंचे हुए थे। जहां पूर्व जिला पंचायत सदस्य पति सतीश सिंह फौजी अपने नेता पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ को एक आवेदन देते हुए कह रहे हैं कि करैरा विधानसभा में कभी वर्तमान विधायक रिपीट नहीं हुआ है इसके साथ ही विधायक प्रागीलाल जाटव के लिए कितनी भी मेहनत कर लें लेकिन उन्हें रिपीट नहीं कराया जा सकता÷। बही आपको बता दें कि करैरा विधानसभा से पूर्व विधायक करैरा हनुमंत सिंह दाऊ दो बार विधायक के पद पर रह चुके हैं। वहीं इस मामले में विधायक का कहना है कि सवाल उठाने वाले लोग कुछ समय पहले ही भाजपा से कांग्रेस के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी और दो माह बीत जाने के बाद ही सतीश सिंह फौजी ने क्षेत्र में कांग्रेस का झंडा उठाते

में सम्मिलित हुए हैं।

14 जून को कांग्रेस में शामिल हुए हैं बैजनाथ सिंह सतीश सिंह फौजी ने 14 जून को बैजनाथ सिंह यादव के साथ कमलनाथ हुए करैरा से कांग्रेसी विधायक प्रागीलाल जाटव के इस बार मिलने वाले टिकट पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। इस मामले सतीश सिंह फौजी ने कमलनाथ के साथ हुई आम चर्चा का होना बताया है सतीश सिंह फौजी का कहना है कि मेरा विधायक प्रागीलाल से कोई मनमुटाव नहीं है आगामी चुनाव में फिर एक बार कांग्रेस का विधायक करैरा में बनेगा।

सवाल उठाने वाले लोग कुछ समय पहले कांग्रेस में शामिल हुए–बही करैरा विधायक प्रागीलाल जाटव का कहना है कि सवाल उठाने वाले लोग कुछ समय पहले ही भाजपा से कांग्रेस में सम्मिलित हुए हैं। ऐसे लोगों की आज भी धारा भाजपा से जुड़ी है। जबकि इस प्रकार के प्रश्नचिन्ह कई वर्षों से कांग्रेस का साथ दे रहे मूल कांग्रेसियों को लगाना चाहिए लेकर वह सभी करैरा में विकास की बुनियाद खड़ी करने में जुटे हुए हैं। सभी मूल कांग्रेसी और जनता उनके साथ है इस बार भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी जिसे भी कांग्रेस का चेहरा करैरा से बनाएगी वह उनके साथ रहेंगे। प्रगीलाल जाटव ने बताया कि उपचुनाव में करैरा विधानसभा क्षेत्र के मूल कांग्रेसियों ओर जनता की वजह से कांग्रेस ने विजय प्राप्त की थी और इस बार भी कांग्रेस की जीत होगी।

शिवपुरी जिले के विकासखंड खनियांधाना में खुले में संकुल प्राचार्य पैसा ले कर कर रहे ट्रांसफर के आवेदन पर हस्ताक्षर

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। लगभग 20 वर्ष संघर्ष के उपरांत भारतीय जनता पार्टी की सरकार ट्रांसफर पॉलिसी नहीं बना पाई थी लेकिन कांग्रेस की 15 महीने की सरकार ने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी बनाई थी शिक्षा विभाग की आज ऑनलाइन उस पॉलिसी को दरकिनार करके ऑफलाइन कर दिया सरकार ने इतना भ्रष्टाचार हो रहा है कि संकुल प्राचार्य से लेकर विकास खंड शिक्षा अधिकारी हालांकि सभी नहीं परंतु कुछ जगह स्थानांतरण चाहने वाले आवेदन पर 500 से 1000 रुपए संकुल प्राचार्य की रेट है हस्ताक्षर करवाने की एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी की रेट ?5000 है ऐसा भ्रष्टाचार पहले कभी देखने को नहीं मिला शिवपुरी जिले के विकासखंड खनियाधाना की बात ही अलग है वहा खुले में संकुल प्राचार्य पैसा लेकर हस्ताक्षर कर रहा है ट्रांसफर के आवेदन पर जब यह मामला हमारे संज्ञान में आया तब इस मामले को लेकर जब मेरे द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी महोदय से बात की गई तब उन्होंने बताया यदि ऐसा है तो इस मामले की जांच करवाएंगे और संबंधित को कड़ी से कड़ी सजा देंगे हालांकि भ्रष्टाचार जबसे जिला शिक्षा अधिकारी श्री समर सिंह राठौर आए हैं तब से स्कूलों की हालत भी सुधरी है और भ्रष्टाचार भी कम हुआ है।

नमस्कार, वंदन करने के भाव आत्मा में विनय गुण प्रगट होता है: मुनिश्रीराजपद्म सागर जी

पुष्पांजली टुडे

बेगलुरू। श्रीरामपुर जे.पी.पी श्रमणी भवन में श्रावक एवं श्राविकाओं को नौ प्रकार के पूण्य में समझाते हुए नमस्कार पूण्य के विषय में मुनि श्री राजपद्मसागरजी म.साने कहा नमस्कार पुण्य यानि नमस्कार करना, झुकना वंदन करना, वंदन करने की भावना से कर्मों की निर्जरा होती है. शीतलाचार्यजी म.सा दाष्टांत देते हुए कहा कि शीतलाचार्यजी म.सा के बहन के चार पुत्र ने दिक्षा अंगीकार किया था। पढ़ लिखकर विद्वान हुए और एक दिन चार मुनि भगवतो को विचार आया कि हमारे उपर उपकार करने वाले हमे धर्ममार्ग बताया हमे धर्म शिखलाया ऐसे उपकारी आचार्य भगवंत को वंदन करने जाना है। और गुरु भगवंत से आज्ञा लेकर वंदन करने के भाव से विहार किया और पहुँच नहि पाये रात्रि हो गई और वहां पर चारो मुनि भगवतों रुक गए ,मन में वंदन के भाव है, शुवलध्यान ध्याते हुए केवलज्ञान की प्राप्ति हो गई। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी म.साने हम ज्यादातर विचारो में रुची रखते है, आचार (क्रिया) हमे ज्यादा पसंद नहीं, इसलिए जो हमे भावों में वृद्धि होनी चाहिए वो नहि आती. जो हम सूत्र के अर्थ को जानना है । और उसे समझकर क्रिया करेंगे तो हमारे भावों में विचारों में परिवर्तन आयेगा। 16 अगस्त रविवार के दिन साधुना दशने पूण्यं के विषय में अद्भूत प्रस्तुति-सुबह 8 बजे श्रमणी भवन में होगा।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना देहात पुलिस ने दो घण्टे के अन्दर नाबालिग लड़के को ढूंढकर उसके परिजन को सुपुर्द किया

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के निर्देशन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह के नेतृत्व में दिनांक 04/08/23 को प्रातः 05 बजे गुम हुये 15 वर्षीय नाबालिग बालक को एफआईआर लिखने से पहले दो घण्टे के अन्दर थाना देहात पुलिस ने दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। 04/08/23 को फरियादी रमेश कुमार देहरे नि. कृष्णा कालोनी भिण्ड ने थाना आकर बताया कि 15 वर्षीय भतीजा आज सुबह करीब 5 बजे घर से बिना बताये कहीं चला गया है जो वापस नहीं आया है। लडके को आसपास घूम फिर कर खूब तलाशी की नहीं मिला फरियादी की सूचना को थाना प्रभारी देहात निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह ने गम्भीरता से लेते हुये तत्काल दो टीमें गठित कर बच्चे की तलाश हेतु रवाना किया। फरियादी के सूचना देने के उपरान्त करीब 02 घण्टे के अन्दर थाना देहात पुलिस ने बच्चे को रेलवे स्टेशन भिण्ड से ढूंढ लिया। तत्काल फरियादी से सम्पर्क कर बच्चे को उसके ताऊ के सुपुर्द किया गया। बच्चे के गुम होने के सम्बन्ध में पूछताछ की बताया कि मेरे पिताजी नहीं है, मैं अहमदाबाद जाने के लिये ट्रेन का इन्तजार कर रहा था। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह, प्रधान आरक्षक हरवीर गुर्जर, आरक्षक रवि यादव, बृजनन्दन सिकरवार, कुलदीप कसौटिया, प्रदीप भदौरिया, सुभाष तोमर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

आठ साल पूर्व की फूले पार्क की घोषणा पूर्ण न होने पर, कुशवाह समाज ने सौंपा ज्ञापन

दस दिन का दिया अल्टीमेटम, नहीं तो होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। राजनीतिक पार्टियां चुनावों के समय जनता से लोक लुभावने वादे करती हैं, मगर सत्ता में आते ही इन वादों को भूल जाती है. मध्यप्रदेश में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है ।भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के समय कई वादे किए थे, मगर इनमें से अधिकांश पूरे ही नहीं हुए।मध्यप्रदेश के भिंड जिले के मौ कस्बे में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 2016 में कुशवाह समाज सम्मलेन में महात्मा ज्योतिराव फूले पार्क की घोषणा की थी जो अभी तक पूर्ण नही हुई आठ साल बीत गए हे।जबकि लगभग अठारह साल से भाजपा सता में काबिज हैं। जिसको लेकर आज महान समाजसेवी, शिक्षा सुधारक महामानव, महात्मा ज्योतिबाराव फुले के नाम से स्वीकृत पार्क बनवाने के संबंध में आज कुशवाह समाज द्वारा तहसीलदार मौ को ज्ञापन पत्र सोपा। ज्ञापन पत्र में सैकड़ों की संख्या में कुशवाह समाज के लोग मौजूद रहे। समाजसेवी दिलीप सिंह कुशवाह ने बताया कि नगर पंचायत मौ में सर्वे क्रमांक 3015 का रकवा 7.576 में से 1.000 हेक्टर भूमि जो की महात्मा ज्योतिवा राव फुले पार्क के नाम से आरक्षित की गयी थी। महा मानव

महात्मा ज्योतिराव फूले महान समाज सुधारक एवं समाजसेवी थे जो शिक्षा के क्षेत्र में सर्वसमाज के उत्थान एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं महिलायों के शिक्षा सुधारक के रूप में जाने जाते हैं। इसी क्रम में उनकी स्मृति में महात्मा ज्योतिबा राव फुले पार्क नगर पंचायत में बनाया जाना प्रस्तावित था। जिसका भूमि पूजन 2016 को मध्य प्रदेश सरकार में तत्कालीन मंत्री लालसिंह आर्य एवं तत्कालीन सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद के द्वारा किया गया था। परन्तु किसी कारण बस अभी तक नहीं बन पाया। इसकी घोषणा तत्कालीन मंत्री लालसिंह आर्य एवं तत्कालीन सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद के समक्ष प्रस्तावित कि गई थी। सन्दर्भ में सभी विधिक कार्यवाही,भूमि आरक्षित,सर्वे एवं शासन स्तर पर तैयारी पूरी कि जा चुकी थी परंतु उनका निर्माण अभी तक शुरू नहीं हो सका जिससे कुशवाहा समाज स्वय को उपेक्षित महसूस कर रहा है।इसलिए कुशवाह समाज के द्वारा आज तहसीलदार को ज्ञापन पत्र दिया गया है और समाज के सभी महानभावो द्वारा अल्टीमेटम भी दिया गया है कि रुके हुए कार्य को 10 दिन में अभिलम्ब निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो समाज व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा।जिसके परिणाम सरकार एव प्रशासन को भुगतना पड़ सकता है निर्धारित समय में अगर कार्य शुरू नही हुआ कुशवाह समाज नेताओं की फर्जी घोषणाओं की पोल खोलेगा और उनका बहिष्कार करेगा इस कुम्भकरणी नींद में सोई हुई सरकार को जगाने का काम कुशवाह समाज करेंगा एवं यह आन्दोलन मौ में ही नही सम्पूर्ण प्रदेश में प्रदेश व्यापी आन्दोलन होगा। इस मौके पर समस्त कुशवाह समाज मौ मंडल उपस्थित रहा।

श्यामू भदौरिया बने करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष, मत्र मंडल ने किया हर्ष व्यक्त

संगठन ने जताया भरोसा, श्यामू सिंह बोले पूर्ण निष्ठा से करूंगा निर्वाहन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । करणी सेना परिवार टीम जीवन सिंह शेरपुर प्रदेश उपाध्यक्ष बने श्यामू सिंह भदौरिया डोंगरपुरा करणी सेना परिवार के प्रदेश अध्यक्ष ठा.जीवन सिंह शेरपुर ने श्यामू भदौरिया डोंगरपुरा का संगठन एवं समाज के प्रति लगाव कर्मठता एवम समर्पण को देखते हुए मध्यप्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया । प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर श्री भदौरिया ने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि संगठन के द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निर्वाहन करेंगे।श्री भदौरिया के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने की खवर सुनते ही भदौरिया के समर्थको में खुशी की लहर दौड़ पड़ी एवं बधाई देने बालो का तांता लग गया बधाई देने बालो में ग्वालियर चंबल संभाग प्रभारी राजू राजावत, भिंड जिलाध्यक्ष कुलदीप प्रताप सिंह भदौरिया,मोहित तोमर,आशीष राजावत, रामनरेश जादौन,भोलू भदौरिया, विष्णु तोमर, अंकित तोमर,रोमी चौहान,अनिल भदौरिया, हरि भदौरिया,रिसेंद्र राजावत, मितुल भदौरिया, जगदीप भदौरिया, गिर्राज तोमर,अंकित राजावत,राजा राजावत, सनी तोमर,रामबरन चौहान, कुलदीप परमार ,शक्ति तोमर, आदित्य भदौरिया फूप आदि सैकड़ों करणी सैनिकों ने बधाई प्रेषित की एवं सभी करणी सैनिकों ने हर्ष व्यक्त किया।

इनरव्हील क्लब द्वारा किया गया वृक्षारोपण

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर पुष्पांजलि टुडे

एटा। इनरव्हील क्लब एटा द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम अहाता भन्नामल गांधी मार्केट में आयोजित किया गया जिसमे क्लब की सदस्यों ने पुरे अहाते में वृक्ष लगाए और सभी ने अपनी अपनी भागीदारी की, साथ में क्लब की सभी सदस्यों ने एक संकल्प लिया कि अपने क्लब के द्वारा और सभी के प्रयासों से ज्यादा से ज्यादा व्रक्षारोपण करके अपने एटा को सबसे ज्यादा हरा भरा बनाने की मुहिम चलाएंगे, जिससे आने वाले समय में हमारा नगर हरा भरा दिखाई दे। अध्यक्ष प्रीति सिंघल, सचिव ज्योति गुप्ता, कोषाध्यक्ष नेहा जैन, शिल्पी जैन, दिव्या गुप्ता, दिव्या राज सक्सेना, ज्योति जैन, वीनेश जैन, राधा शर्मा, मीनाक्षी गुप्ता, रेनू राठौर, अंजू गुप्ता आदि।

मांडा ग्राम में हुआ माताजी के धर्म रथ भैल का भव्य बधावा

पुष्पाजंली टुडे

पाली। दीपाराम काग गुड़िया भैल दौरा सोजत रोड से 13 किलोमीटर दूरी पर सिरियारी मार्ग पर सवराड़ वोपारी के बीच ख्यात नाम मांडा गांव में हुआ। समाज के लोगों ने भैल का भव्य बधावा किया। भैल बधावा अवसर पर धर्म सभा का आयोजन हुआ। सभा में दीपाराम काग ने सीरवी समाज का इतिहास और आई माताजी के इतिहास के बारे में बताया। सभा में उपस्थित सभी बांडेरूओं ने भाव विभोर होकर इतिहास को सुना एवं प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर दीपाराम काग ने बताया की यह गांव लगभग 1000 घर की जैन बस्ती के साथ सीरवी समाज के भी 411 परिवार यहां निवासरत है। जिनमें से अधिकांश तया बंगलौर,चैन्नई, हैदराबाद सूरत, पूना मुम्बई में व्यापार व्यवसाय में मांडा ग्राम का नाम रोशन सोलंकी, काग,सानपुरा आदि भी है। वर्तमान में मांडा ग्राम पंचायत के

कर रहे हैं। जिनमें भूराराम चोयल,गेनाराम हाम्बड़,पुखराज पंवार पुराने सेठों में मुख्य है। यहां पर पंवार,चोयल,बरफा और हाम्बड़ गौत्र की संख्या भरपूर है अन्य में परिहार सरपंच पद पर कालूराम गहलोत विराजमान हैं जिनके श्री आई माता टेंट का आसपास के एरिया में बड़ा नाम है। पुरानी पीढ़ी में एक भी सरकारी नौकरी में नहीं है लेकिन नई पीढ़ी में चेतन जर्मनी में सोफ्टवेयर इंजिनियर, हीरालाल और सुरेश सीए का काम देख रहे हैं मोहनलाल जी पंवार एमबीबीएस कर बंगलौर में अपनी सेवा दे रहे है। मांडा में वर्तमान में जीवाराम पंवार कोटवाल दुर्गाराम पंवार जमादारी और मांगीलाल चोयल पुजारी के साथ कुल 16 खूंटियां पंच है। वर्तमान समय में श्री आई माता जी के श्वेत मार्बल में मंदिर निर्माण का कार्य प्रगति पर है। जिसका लेखा जोखा एवं देखरेख श्री हुकमाराम हाम्बड़ कर रहे हैं और आई माताजी की कृपा से 2025 में परम पूज्य दीवान साहब माधव सिंह के आशीर्वाद से एक बार फिर से वोपारी का नजारा मांडा में देखने को मिलेगा। ऐसी श्री आई माताजी से कामना करते हैं।

मेहगांव में 8 एवं 9 को विधायक कप प्रतियोगिता का आयोजन

रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 7 अगस्त

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा प्रतिभाओं को निखारने के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विधायक कप का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं जिला खेल अधिकारी जोसेफ वकसला के निगरानी में किया जाएगा इसकी जानकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल प्रशिक्षक एवं प्रतियोगिता प्रभारी संजय पंकज के द्वारा बताई गई है, कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खेल प्रतियोगिताओं को निखारने के लिए मध्यप्रदेश शासन की खेल एवं युवा कल्याण विभाग की तरफ से किया जाता है, इस वर्ष मेहगांव विधानसभा में 8 और 9 अगस्त को यह आयोजन किया जा रहा है जिसमें नगरीय विकास एवं आवास मध्यप्रदेश शासन राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया की विधानसभा में किया जा रहा है जिसमें समस्त विधानसभा से अधिक से अधिक युवा खिलाड़ी भाग लेंगे। मंत्री श्री भदौरिया के द्वारा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन करने के लिए प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आने वाले खिलाडियों के लिए 21000 रुपयेऔर 11000 रुपये की नगद राशि के साथ में टॉफी, मेडल, सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे पंजीयन के अंतिम तिथि 7 अगस्त तक है। रजिस्ट्रेशन एवं प्रतियोगिता से सम्बंधित जानकारी के लिए संजय पंकज- 7987176296, हर्षद मिश्रा-7974959545, बिट्टू भदौरिया- 7509502626,गणपति भदौरिया-7999692167 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्री राम भक्त मंडली को सम्मानित करते हुए वाद्ययंत्रों की दी गई भेंट

भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं नगर परिषद अध्यक्ष सुखवंती बाई बुनकर के साथ अन्य लोगों की रही उपस्थित

पुष्पांजली टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

जिले के कोठी कस्बे में कल देर शाम को भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवन्त पाण्डेय की अगुवाई में व नगर परिषद अध्यक्ष सुखवंती बाई बुनकर, पीयूष तिवारी (मीडिया प्रभारी) की उपस्थिति में कोठी क्षेत्र में एक अलग पहल करने वाली श्री राम भक्त मंडली जो को आस पास समेत सभी देवालयों (सार्वजनिक मठ मंदिरों) में निस्वार्थ भाव से संगीतमय रामायण पाठ/ सुंदरकांड पाठ/कीर्तन के कार्यक्रम प्रत्येक माह के हर शनिवार, मंगलवार, गुरुवार को

लगातार कार्यक्रम आयोजित कर लोगो में भक्तिमय वातावरण देने का कार्य किया जा रहा था। जिसको द्वष्टिगत करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष ने सभी रामभक्त मंडली के सभी सदस्यों का सम्मान करते हुए। वाद्ययंत्र (हारमोनियम, माइक सेट सबंधी समस्त उपयोगी सामग्री) को भेंट किया। इस दौरान श्री राम भक्त मंडली के राम भगवान तिवारी, गुड्डा गौतम, महेंद्र पाण्डेय, वीरेंद्र पाण्डेय, राकेश शर्मा, डी. के. तिवारी, दिनेश यादव, पप्पू पाल, दयाराम शर्मा, अब्बू सिह, पिंकू सोनी, सोनू शुक्ला, रज्जन नामदेव सहित मंडली के तमाम लोग उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के मानहानि केस की सजा में रोक लगाने पर कांग्रेस पार्टी में खुशी की लहर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। शहर जिला कांग्रेस द्वारा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के मानहानि केस की सजा में सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने की खुशी में भिंड शहर के ह्रदय स्थल परेड चौराहे पर मिष्ठान वितरण कर खुशी मनाई गई। इस अवसर पर बोलते हुए शहर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो निर्णय दिया गया है वह असत्य पर सत्य की जीत है। राहुल गांधी हमेशा आम जनता की आवाज के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं,केंद्र की बीजेपी सरकार उनकी आवाज को दबाना चाहती है। राहुल गांधी संसद में हमेशा बीजेपी के प्रधानमंत्री श्री मोदी की पोल खोलते हैं बीजेपी इसीलिए राहुल गांधी से डरती है। मिष्ठान वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष खिजर मोहम्मद कुरेशी, नगर कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रेखा भदोरिया स्नेह लता जैन, रीना चौहान, पान सिंह, सुमन रामजी लाल शाक्य, दर्शन सिंह तोमर, संजीव बरूआ, गजेंद्र यादव कमलेश जाटव, बृजेंद्र सिंह कल्लू भारौली, प्रदीप जैन, शिशुपाल सिंह भदोरिया, शिव शंकर भदौरिया, अनीस कुरैशी, अजय जैन, पिंटू शर्मा, प्रमोद दीक्षित, संजय यादव, अनिरुद्ध त्रिपाठी, दिनेश भदोरिया,मोहर सिंह जाटव दीपचंद तिवारी, कृष्णा कुशवाह, पूजा कुशवाह, वंदना कुशवाह, अरविंद सोनी, मोनू जैन आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे ।

खरगोन पुलिस द्वारा अवैध हथियार सप्लायर के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

01 आरोपी गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से 13 नग अवैध पिस्टल तथा कट्टे जप्त, जप्तशुदा पिस्टलों की कीमत लगभग 2,25,000/- रुपये जप्त, आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा मे पिस्टल बनाने की सामग्री जप्त ।

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार अवैध हथियारो की तस्करी करने वालों के विरुध्द लगातार कार्यवाही की जा रही है । खरगोन पुलिस द्वारा अवैध हथियार विक्रेताओ पर लगातार निगाह रखते हेतु वरिष्ट अधिकारियों द्वारा इसकी रोकथाम विशेष अभियान चलाने के संबंध मे निर्देशित किया गया है । उक्त अभियान के चलते अवैध हथियार, अवैध शराब एवं अवैध गतिविधियों आदि पर जिला खरगोन मे पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही कर अंकुश लगाया जा रहा है । इसी तारतम्य में अवैध हथियार के परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीरसिंह यादव के निर्देशन में जिले मे प्रभावी कार्यवाही करने हेतु समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है । उक्त निर्देशों के पालन मे थाना गोगांवा के व्दारा अवैध हथियार (पिस्टल) सप्लायर्स के विरुद्ध कार्यवाही ।

घटना का संक्षिप्त विवरण-दिनांक 04/08/23 को थाना गोगावां पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोगो के बीच मे हाथ से बनी हुई अवैध पिस्टल एवं कारतूस की खरीद फरोख्त होने वाली है । सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अनुविभागीय अधीकारी श्री संजु चौहान एवं थाना प्रभारी गोगांवा उनि.प्रवीण आर्य के निर्देशन मे पुलिस

टीम मुखबिर के बताए स्थान पर पहुची । पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर अपनी उपस्थिति छुपाकर देखा तो 01 व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस टीम व्दारा घेराबंदी कर पकडा । पकड़ मे आए व्यक्ति से उसका नाम पूछने पर उसने अपना नाम कान्हासिंह पिता धर्मसिंह चावला जाति सिकलीकर उम्र 30 साल निवासी सिगनुर थाना गोगावां बताया । कान्हासिंह की तलाशी लेने पर उसके पास से 13 नग अवैध पिस्टल तथा कट्टे मिले । उक्त पिस्टल रखने के संबंध मे कान्हासिंह से लाइसेंस व दस्तावेज के बारे मे पूछने पर कोई वैध दस्तावेज नहीं होना बताया । उक्त आरोपी को थाने लाकर पुछताछ करने पर उसने अवैध पिस्टल ग्राम सिगनुर मे स्वयं व्दारा बनाकर बैचने हेतु लेकर आना बताया गया है । आरोपी को गिरफ्तार माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है ।

गिरफ्तारशुदा आरोपी

1. कान्हासिंह पिता धर्मसिंह चावला जाति सिकलीकर उम्र 30 साल निवासी सिगनुर थाना गोगावां

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही- आरोपी के विरुध्द थाना गोगावा पर अपराध क्रं. 318/23 धारा 25(ए) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है ।

पुलिस टीम-उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागिय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग भीकनगाँव श्री संजु चौहान एवं थाना प्रभारी गोगांवा उनि.प्रवीण आर्य के नेतुत्व मे चौकी प्रभारी धर्मेन्द्रसिंह यादव, सउनि.बहादुरसिंह रावत, प्रआर 426 पंढरी चौहान, प्रआर.668 दिनेश मण्डलोई, प्रआर. 418 भोला प्रसाद द्विवेदी, आर.277 हेमंत सपकाले, आर 947 संतोष बामनिया, आर.1046 फारुख खान, आर 296 गोविन्द खन्ना, आर 1009 जितेन्द्र आर 946 राजेश जयसवाल एवं सायबर सेल टीम खरगोन का विशेष योगदान रहा ।

प्रबंधक ने किया घोटाला आयुक्त हुए निलम्बित

उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

मौ। मौ विपणन सहकारी समिति द्वारा की गई करोड़ों रुपए के फर्जी एंट्री एवं भुगतान को लेकर शिकायत के चलते भिंड कलेक्टर द्वारा दोषियों पर कार्यवाही के आदेश का पालन नहीं कर पाने के कारण सहायक आयुक्त भिंड को निलंबित कर दिया गया है मध्यप्रदेश सहकारिता मंत्रालय ने दिनांक 27.07.23 को आदेश जारी कर बताया कि आयुक्त द्वारा वेयरहाउस मालिक एवं अन्य दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही न करते हुए उनके बचाव का कार्य किया जा रह है इस कारण उन्हें उन्हें निलंबित किया जाता है।शिकायत कर्ता संजीव यादव पार्षद वार्ड नं 08 ने बताया की मौ में सरसो खरीद में करोड़ों रुपए के घोटाले किए गए हैं जिस में मौ मार्केटिंग प्रबंधक और वियर हाउस मालिक की मिली भगत से मौ में भ्रष्टाचार का पहाड़ लगा दिया है श्री यादव ने शिकायत कर अपेक्षा की है कि जल्द से जल्द मौ प्रबंधक और वेयर हाउस मालिकों पर भी उचित कार्रवाई की जाए।

रीवा में सनसनीखेज हत्या भुट्टा ठेले वाले की पत्थर पटककर हत्या, सीसी टीबी फुटेज आया सामने

शहर के सिरमौर चैराहे में फुटपाथ में सोते वक्त दिया गया वारदात को अंजाम

दैनिक पुष्पांजलि टुडे रीवा

रीवा। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात हत्या का बेहद ही सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। यहां फुटपाथ पर सो रहे भुट्टे का ठेला लगाने वाले युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई है। चौराहे में हुई इस हत्या का एक सीसी टीबी फुटेज भी सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति पहले डंडा लेकर घूमता नजर आया और फिर कुछ ही देर में वह पत्थर लेकर पहुंचा और सो रहे युवक पर पटककर उसकी हत्या कर दी। आरोपी कौन है और उसने वारदात को किस इरादे से अंजाम दिया है यह साफ नहीं हो सका है। पुलिस फिलहाल सीसी टीबी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश में जुट गई है। दरअसल हत्या का यह मामला शहर के अमहिया थाना क्षेत्र स्थित सिरमौर चौराहे की है। मृतक की पहचान दिलीप कुमार निवासी ग्राम देवरियान थाना नईगढ़ी के रुप में की गई है। स्थानीय लोगों की मांने तो दिलीप सिरमौर चौराहा स्थित शराब दुकान के सामने ही भुटटे का ठेला लगाता था। वह दिनभर ठेले में भुटटा बेंचता और रात में फुटपाथ पर ही सो जाता था। रोजाना की तरह मंगलवार की रात ठेला बंद करने के बाद दिलीप फुटपाथ पर ही एक दुकान के सामने सो रहा था तभी देर रात अज्ञात व्यक्ति नें उसके सिर पर पत्थर पटक दिया। तड़के लगभग 4 बजे युवक को घायल हालत में देख स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। स्थानीय दुकानदार अतुल सिंह ने बताया कि फुटपाथ में सो रहे भुटटा बेंचने वाले युवक की हुई हत्या की तस्वीरें सीसी टीबी में कैद हुई है। तस्वीरों में एक व्यक्ति रात तकरीबन 1.30 बजे हाथ में डंडा लिये घूमते नजर आता है जो कुछ ही देर में सो रहे युवक के पास पत्थर लेकर पहुंचता है और उसके सिर पर पटक देता है। हालांकि आरोपी युवक की पहचान अब नहीं की जा सकी है। पुलिस सीसी टीबी फुटेज की मदद से आरोपी का पता लगाने में जुट गई है जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है।

मैहर रेलवे स्टेशन का 21.4 करोड़ की लागत से होगा कायाकल्प सांसद गणेश सिंह 6 अगस्त को करेंगे शिलान्यास

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

मैहर। संसदीय कार्यालय से जारी एक बयान में बताया गया है कि 6 अगस्त को देशभर में 506 रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत योजना के तहत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी सुबह 10 बजे स्टेशनों के री-डेवलपमेंट के लिए वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे, इनमें मध्यप्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों का करीब 1000 करोड़ रूपए की लागत से भूमिपूजन किया जाएगा, जिसमें मैहर रेलवे स्टेशन को भी जोड़ा गया है। रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा,इन स्टेशनों पर अगामी 45 सालों के विकास एवं यात्रियों की संख्या वृद्धि को ध्यान में रख कर योजना बनाई गई है, जिस पर कार्य किया जाएगा।अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण व सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस योजना के तहत यात्रियों की स्टेशन तक पहुंच, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, मुफ्त वाईफाई, स्वच्छ जल, स्वच्छता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पूर्व कृषि मंत्री और विधायक सचिन यादव ने शिवभक्ति और मातृ पितृ भक्ति के साथ बोरावां से प्रारंभ की तीसरे दिन की आस्था यात्रा

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

खरगोन। मप्र के पूर्व कृषि मंत्री रहे विधायक सचिन यादव ने आज शुक्रवार को शिवभक्ति और मातृ पितृ भक्ति के साथ अपने गृहगांव बोरावां से तीसरे दिन की आस्था यात्रा प्रारंभ की । श्री यादव ने प्रातः राधाकृष्ण मंदिर में पहुँचकर

अरूण, सचिन और हर्ष यादव शिवभक्ति के रंग में डूबे

भगवान श्री गणेश और शिव का पूजन कर जलाभिषेक किया । उन्होनें मंदिर में सभी देवी देवताओं का भी पूजन किया । इसके साथ ही अपने पिता स्व. सुभाष यादव के फोटो के समक्ष शीष नवाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया । सचिन यादव के चरण स्पर्श करने पर उनकी माताजी श्रीमती दमयंती यादव ने भी उन्हें अपना स्नेहाशीष दिया । अपने बेटे हर्ष यादव के साथ अरूण यादव और सचिन यादव आस्था यात्रा के दौरान भक्ति के रंग में डूबे हुए नजर आए । महिलाओं के आग्रह पर उनके साथ भजनों की धुन पर तीनों ने ओझरा में नृत्य भी किया ।

बोरावां से आस्था यात्रा के प्रारंभ होने पर विधायक केदार सिंह डाबर भी मौजूद थे । श्री यादव और आस्था यात्रियों ने मण्डी परिसर में पवित्र त्रिवेणी का रोपण कर वृक्षारोपण भी किया । यहाँ पर श्री यादव और आस्था यात्रियों का बोरावां वासियों के साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं और इंजीनियरिंग कॉलेज जे.आयटी. के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने अपूर्व

उत्साह के साथ पुष्पवर्षा कर स्वागत किया । आस्था यात्रा का गाँवों में महिलाओं द्वारा बड़-चढकर स्वागत किया जा रहा है और वे आस्था यात्रा में भी सहभागी बन रही है । अरूण यादव, सचिन यादव और हर्ष यादव ने सावदा, ओझरा और गोपालपुरा में भी त्रिवेणी का रोपण किया ।

आस्था यात्रा से गाँवों में बही शिवभक्ति की बयार-

पूर्व कृषि मंत्री और विधायक सचिन यादव ने बताया कि भगवान भोलेनाथ की भक्ति से ओतप्रोत इस आस्था यात्रा के मार्ग में आने वाले गाँवों के लोग भी सैकड़ों की संख्या में शामिल होकर पैदल चल रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा हर स्थान पर आस्था यात्रा का भव्य स्वागत किया जा रहा है । शिवभक्ति से सभी आस्था यात्रियों को दैवीय उर्जा मिल रही है। पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने कहा कि जनकल्याण, खुशहाली और प्रकृति के संवर्धन और संरक्षण हेतु निकाली जा रही इस 6 दिवसीय आस्था यात्रा में भक्ति की बयार बह रही है । आस्था यात्री और मार्ग में आने वाले गाँवों के ग्रामीण शिवभक्ति से ओतप्रोत हैं। आज शुक्रवार को बोरावां से प्रारंभ हुई आस्था यात्रा सावदा और ओझरा होते हुए गोपालपुरा में दोपहर भोज के लिए विराम लेगी । इसके बाद छोटी कसरावद होते हुए 14 किमी का सफर तय कर सायंकाल को कसरावद पहुँचेगी।

अरूण यादव और सचिन यादव से निमाड़ को मिला संबल-विगत तीन दिनों से आस्था यात्रा में साथ चल रहे ग्राम दाउदखेड़ी के आदिवासी तुलसीराम जमरे ने बताया कि सचिन यादव और अरूण यादव के साथ आस्था यात्रा में जगह जगह मेरा भी स्वागत हो रहा है । इस स्वागत से मुझे अत्यंत खुशी हो रही है । तुलसीराम जमरे ने अपने हाथ पर टैटू के रूप में अरूण यादव का नाम अंकित करा रखा है । तुलसीराम ने बताया कि स्व. सुभाष यादव के बाद अरूण यादव और सचिन यादव ने गरीब कार्यकर्ताओं और निमाड़ अंचल को संबल प्रदान किया है । खामखेड़ा के लक्ष्मण पटेल , अवरकच्छ के छगन राठौर और कवड़ी गाँव के युवा पवन यादव ने बताया कि हम इस आस्था यात्रा के स्थाई यात्री है । आस्था यात्रा के दौरान रोजाना भगवान शिव की आराधना रहे हैं । आस्था यात्रा के छटे दिन सोमवार को समापन अवसर पर कठोरा में नर्मदा माई का दर्शन पूजन करेंगे और भगवान भोलेनाथ का नर्मदा जल से अभिषेक भी करेंगें ।

डेंगू एवं मलेरिया से करे बचाव स्कूलों में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

दैनिक पुष्पांजलि टुडे रीवा

रीवा। जुलाई माह को डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया गया। डेंगू अन्य वाहक जनित बीमारियों के प्रति जागरूक करने तथा बचाव हेतु स्कूलों में जागरूकता शिविर एवं सार्वजनिक स्थलों में शिविर लगाकर जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया विभाग के कर्मचारियों द्वारा निरंतर लार्वा सर्वे एवं विनिष्टीकरण, फीवर सर्वे जैसी गतिविधियां की जा रही हैं। सार्वजनिक स्थलों विवेकानंद पार्क, रानी तालाब, आंगनवाड़ी केन्द्र, गोलपार्क, नया बस स्टैण्ड, धोबिया टंकी, भैरव मंदिर, एकता वार्ड, जगन्नाथ वार्ड में प्रदर्शनी आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इसी श्रंखला में शालेय छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य शिक्षा देकर जागरूक किया गया।

रीवा कलेक्टर ने सेक्टर ऑफीसर चुनाव की तैयारियों में समन्वय करने एवं हर मतदान केन्द्र में 50 महिला मतदाताओं के नाम शामिल कराने के दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर ऑफीसरों तथा पुलिस अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण देते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। आप पर चुनाव से जुड़ी हर प्रक्रिया में समन्वय की जिम्मेदारी होती है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के संशोधन एवं परिवर्धन कार्य से ही सेक्टर ऑफीसरों को जिम्मेदारी दे दी है। सेक्टर ऑफीसर आगामी तीन दिवसों में अपने सेक्टर के सभी मतदान केन्द्रों का भ्रमण करके मतदान केन्द्र की सुविधाओं के संबंध में रिपोर्ट दें। मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं का नाम शामिल कराने में भी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रत्येक मतदान केन्द्र में बीएलओ के माध्यम से कम से कम 50 छूटी हुई महिलाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सूची चुनाव का आधार होती है। सूची में हर पात्र मतदाता का नाम अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए। जिले की जनसंख्या में महिला-पुरूष लिंगानुपात 930 है। जबकि मतदाता सूची में महिलाओं अनुपात 889 है। इससे स्पष्ट है कि अभी बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं हैं जिनके नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। सभी कालेजों में शिविर लगाएं। आयोग के निर्देशों के अनुसार एक अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरा करने वाली सभी छात्राओं के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल कराएं। बीएलओ तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर छूटे हुए मतदाताओं विशेषकर महिलाओं के आवेदन पत्र प्रपत्र 6 में भरवाकर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। सभी रिटर्निंग ऑफीसर तथा सेक्टर ऑफीसर इस कार्य की निगरानी करें एवं हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर अपने सेक्टर का भ्रमण करते समय रूट चार्ट, मतदान केन्द्र में शौचालय, बिजली, पानी तथा रैंप की उपलब्धता की भी जानकारी दें। यदि किसी मतदान केन्द्र में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गए हैं तो उसका भी सत्यापन करें। सभी रिटर्निंग ऑफीसर विधानसभा चुनाव के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। जिला निर्वाचन कार्यालय इस चुनाव में सहयोग की भूमिका में रहेगा। चुनाव से जुड़ी समस्त गतिविधियों का संचालन रिटर्निंग ऑफीसर द्वारा किया जाएगा। इसके लिए हर रिटर्निंग ऑफीसर अपनी टीम बनाकर उसे भलीभांति प्रशिक्षण दे। रिटर्निंग ऑफीसर, सेक्टर ऑफीसर तथा पुलिस ऑफीसर क्षेत्र का भ्रमण करके संवेदनशील मतदान केन्द्रों एवं वल्नेरेबिलिटी के संबंध में प्रतिवेदन दें। आगामी एक महीने तक असामाजिक तत्वों तथा अपराधियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का अभियान चलाएं। फरार आरोपियों के विरूद्ध सभी वारण्टों की तामीली कराएं। राजस्व और पुलिस अधिकारी मिलकर कानून और व्यवस्था की निगरानी करें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर डॉ अमरजीत सिंह ने सेक्टर ऑफीसरों को मतदाता सूची के निर्माण, चुनाव प्रबंधन, कानून और व्यवस्था बनाए रखने,

मतदाता जागरूकता अभियान में भूमिका निभाने तथा आदर्श आचरण संहिता का पालन कराने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेक्टर ऑफीसर ईव्हीएम मशीन के संचालन में पूरी तरह से प्रवीण हो जाएं। मतदान दल को किसी तरह की कठिनाई आने पर उसे सेक्टर आफीसर को ही हल करना होगा। प्रशिक्षण के दौरान वोटर हेल्पलाइन एप के उपयोग, सम्पत्ति विरूपण अधिनियम तथा मतदान की वेबास्टिंग के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सहायक कलेक्टर सोनाली देव तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने भी सेक्टर अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, सभी रिटर्निंग ऑफीसर तथा सेक्टर ऑफीसर उपस्थित रहे।

हर शहर का हो बेहतर नियोजन

बीते दिनों दिल्ली और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के एक दिन के बाद ही पानी से भरी सड़कें, रेंगते यातायात, टूटे वाहन और घुटनों तक गहरे पानी में चलने वाले नागरिक जैसे परिचित दृश्य देखने को मिले. दो हफ्ते पहले बेंगलुरु में कई जगहों में भारी जलजमाव की स्थिति थी. ऐसी दुखद स्थितियां शहरी नियोजन की कमियों की तरफ इशारा करती हैं. नालियों की बेहतर निकासी क्षमता की कमी और झीलों व नदियों पर ध्यान न देने के साथ शहरी स्थानों को कंक्रीट में बदलने का जोर हर तरफ दिखता है. सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के अनुसार, बेंगलुरु जैसे शहर ने इंज ऑफ लिविंग इंडेक्स 2020 में क्वालिटी ऑफ लाइफ मेट्रिक के तहत सौ में से 55.67 स्कोर किया, राजधानी होने के बावजूद दिल्ली 57.56 तक पहुंचा, जबकि भुवनेश्वर का स्कोर सिर्फ 11.57 था. एक आदर्श दुनिया में यह स्थिति अस्वीकार्य है. पश्चिम में 1898 में एबेनेजर हॉवर्ड द्वारा चलाये गये गार्डन सिटी आंदोलन ने शहर के केंद्र में काम के माहौल को विकेंद्रीकृत करने की मांग की थी. नतीजतन, शहरों को योजनाबद्ध तरीके से डिजाइन किया गया. ऐसे आंदोलन इस विचार से प्रेरित थे कि कामगारों का जीवन स्तर बेहतर हो. अमेरिका में गार्डेन सिटी पड़ोस की अवधारणा के साथ विकसित हुआ, जहां एक स्थानीय स्कूल या सामुदायिक केंद्र के आसपास आवासीय घरों और सड़कों का आयोजन किया गया तथा यातायात कम करने और सुरक्षित सड़कें प्रदान करने पर जोर था. प्रदूषण और भीड़भाड़ पर नियंत्रण के साथ जैव विविधता बनाये रखने के लिए लंदन में चारों ओर एक महानगरीय हरित पट्टी है. सवाल है कि रिंग रोड और शहरी फैलाव से आगे भारतीय शहरों में ऐसा कुछ क्यों नहीं हो सकता है. पेरिस में ह्य15 मिनट सिटीह्ल का विचार काफी सरल है. इसके तहत हर पेरिसवासी को खरीदारी, कामकाज, मनोरंजन संबंधी जरूरतों को 15 मिनट की पैदल या बाइक की सवारी के भीतर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए. इस सक्षमता का मतलब होगा कि वाहनों की आवाजाही काफी कम हो जायेगी. अगले कदम के रूप में पैदल यात्रियों के लिए बेहतर व्यवस्था देने की आवश्यकता है. बेंगलुरु को एक ऐसे शहर के रूप में फिर से डिजाइन क्यों नहीं किया जा सकता है, जहां यातायात की परेशानी न हो. क्या भोजन के लिए 10 मिनट की डिलीवरी के बजाय काम करने के लिए 10 मिनट की पैदल दूरी बेहतर नहीं होगी? प्रत्येक भारतीय शहर में आदर्श रूप से एक मास्टर प्लान होना चाहिए, जिसे एक-दो दशक के अंतराल पर अद्यतन किया जाए. इन योजनाओं में किफायती आवास पर ध्यान जरूरी है. देश में शहरी भूमि उपयोग को बेहतर करने की जरूरत है. सैटेलाइट इमेजरी को देखकर साफ लगता है कि रैखिक बुनियादी ढांचे के साथ धान के खेतों में पसरता जा रहा शहरी विकास अनौपचारिक, अनियोजित और विशाल पड़ोस के साथ खासा बेतरतीब है. सार्वजनिक भूमि उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. विश्व बैंक के अनुसार, 2050 तक नागरिकों का जीवन स्तर निराशाजनक करते हुए जलवायु परिवर्तन भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तीन फीसदी तक कम कर सकता है. भारत के शहरों को अपनी प्राकृतिक तट रेखाओं और नदी के मैदानों की रक्षा कर, अतिक्रमणों को हटाकर भूमि पर बोझ कम करना शुरू करने की आवश्यकता है. बालू के टीलों की रक्षा करना और मैंग्रोव वनों को संरक्षित करना इस लिहाज से बेहद जरूरी होगा. सभी चालू और भावी शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य से पुनर्विचार करने की आवश्यकता होगी. हमें शहरपन की भावना को भी स्थापित करना होगा. शायद ऐसा करने का एक तरीका स्पष्ट रूप से अपने निवासियों के लिए 'शहर के अधिकार' (राइट टू द सिटी) का आह्वान करना है. शहरी संसाधनों तक व्यक्तिगत पहुंच सुनिश्चित होना जरूरी है. इसके साथ शहरी विकास को लेकर संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ और विकसित करने की दरकार है. फिलहाल देश में स्नातकों के लिए करियर के लिहाज से टाउन प्लानिंग के क्षेत्र में आने का खास आकर्षण नहीं है. शिक्षा से जुड़ी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 2031 तक तीन लाख प्लानर्स की आवश्यकता होगी, जबकि अभी केवल पांच हजार टाउन प्लानर ही हैं. देश में महज 26 ऐसे संस्थान हैं, जो टाउन प्लानिंग से जुड़े पाठ्यक्रम चलाते हैं. ये संस्थान फिलहाल देश को हर साल 700 टाउन प्लानर देते हैं. हमारे शहरी नीति निमार्ताओं को हमारे शहरी विकास के ऐतिहासिक संदर्भ से अवगत होने की आवश्यकता है. उन्हें समझना होगा कि कांच की इमारतों या ग्रेनाइट का उपयोग हमेशा उपयुक्त नहीं हो सकता है. यह सवाल भी है कि हमारी ऐतिहासिक वास्तुकला से प्रेरित हमारे शहर स्पष्ट रूप से भारतीय क्यों नहीं दिखते. उत्तर भारत के हर शहर में सार्वजनिक स्थान के रूप में एक बावली क्यों नहीं हो सकती है? दरअसल, हम संगठित निजी संपत्ति द्वारा संचालित शहरी परिदृश्य बना रहे हैं और इस चक्कर में हम अपने शहरों को अधिक मानवीय बनाना भूल गये हैं.

क्या पुतिन को झुका पायेंगे पश्चिमी देश

रूस द्वारा यूक्रेन पर युद्ध थोपना गलत है, लेकिन नाटो देशों द्वारा यूक्रेन में प्रवेश की कोशिश उसके मूल में है. यदि यूक्रेन और नाटो देश अपनी हठधर्मिता छोड़ दें, तो शांति भी स्थापित हो सकती है और आर्थिक संकट भी दूर हो सकते हैं.

रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों सहित लगभग 50 देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये हैं. इतिहास गवाह है कि कुछ मामलों को छोड़ कर पश्चिमी देश ऐसे प्रतिबंधों को लगा कर या लगाने की धमकी देकर अपनी बातें शेष विश्व से मनवाते रहे हैं. फरवरी, 2022 से पूर्व भी अमेरिका द्वारा रूस पर कई प्रतिबंध लगाये जा रहे थे, लेकिन उसके बाद और अधिक प्रतिबंध लगाये गये हैं. पुतिन ने अपने हालिया बयान में कहा है कि यूरोपीय देश रूस पर प्रतिबंध लगाकर अपने ही नागरिकों के जीवन स्तर की बलि तो चढ़ा ही रहे हैं, गरीब मुल्कों की खाद्य सुरक्षा भी खतरे में डाल रहे हैं. रूस पर प्रतिबंधों के चलते गरीब मुल्क, जो खाद्य पदार्थों के लिए शेष दुनिया पर निर्भर करते हैं, उनके लिए न केवल खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो रही है, बल्कि बढ़ती कीमतों के चलते खाद्य पदार्थ गरीब मुल्कों की पहुंच से भी बाहर हो रहे हैं. इन प्रतिबंधों के चलते बड़ी संख्या में अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियां रूस छोड़ रही हैं. रूस ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए जर्मनी जाने वाली गैस पाइपलाइन ह्यनार्ड स्ट्रीमह्ल बंद कर दी है और इसके चलते यूरोपीय देश रूसी गैस और तेल पर अपनी निर्भरता घटाने की बात कर रहे हैं. तेल और आवश्यक कच्चे माल के अभाव में यूरोपीय कंपनियां ठप हो रही हैं और यूरोप में रोजगार प्रभावित हो रहा है. यूक्रेनी विदेश मंत्री ने भी यह कहा है कि यूरोप के गृहस्थों के कुशलक्षेम को रूस बर्बाद कर रहा है. गौरतलब है कि ह्यस्विफ्टह्ल नाम की भुगतान प्रणाली के माध्यम से वैश्विक लेनदेन संपन्न होता रहा है. जब रूस को इस प्रणाली से बेदखल किया गया, तो अमेरिका एवं उसके सहयोगी राष्ट्रों को उम्मीद थी कि चूंकि रूस अपने निर्यातों के भुगतान प्राप्त नहीं कर पायेगा, तो उसे उनके सामने झुकना ही पड़ेगा, लेकिन वे देश अपने उद्देश्य में सफल न हो सके. रूस के निर्यात घटने की बजाय बढ़ गये. ताजा जानकारी के अनुसार, तेल और गैस से निर्यातों से ही रूस को इस साल 38 प्रतिशत अधिक प्राप्तियां होने वाली हैं. रूसी निर्यातों की आधी आमदनी तेल और गैस से होती है. पहले से अधिक मात्रा में गैस और तेल के निर्यात और बढ़ती वैश्विक कीमतों के चलते रूस को इस वर्ष मात्र गैस और तेल के निर्यात से ही 332.5 अरब डॉलर की कमाई होने वाली है. कहा जा सकता है कि रूस को अमेरिकी प्रतिबंधों से नुकसान कम फायदा ज्यादा हो रहा है. एक ओर जहां यूरोप बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है, वहीं रूस पहले से अधिक मजबूत दिख रहा है. आज अमेरिका और यूरोपीय देश भयंकर मंदी के खतरे और महंगाई से गुजर रहे हैं और इसमें रूस एक प्रमुख

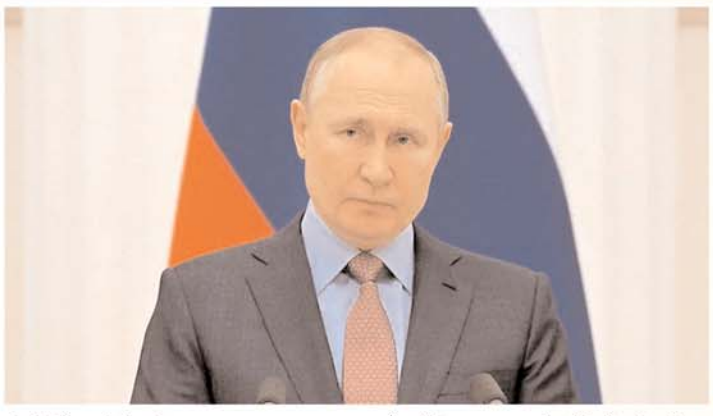

कारण बताया जा रहा है. अमेरिका में पिछली दो तिमाहियों में जीडीपी घटी है और यूरोपीय देशों की भी हालत कुछ ऐसी ही है. यूरोप में ऊर्जा संकट और धीमी ग्रोथ के कारण अब मंदी का चित्र साफ उभर रहा है. फिलहाल अमेरिका की हालत यूरोप जैसी नहीं है, लेकिन पिछली दो तिमाहियों में जीडीपी के संकुचन, तेजी से बढ़ रही महंगाई (जो अगस्त 2022 में 8.3 प्रतिशत रही है) और खासतौर पर ऊर्जा की बढ़ती कीमतों तथा फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने के चलते अमेरिका भी मंदी की चपेट में आ सकता है. यूरोप अपनी तेल की जरूरतों के लिए 25 प्रतिशत तक रूस पर निर्भर करता है. पिछले साल यूरोप के लिए 40 प्रतिशत गैस की आपूर्ति रूस से हुई थी. अब जब आपूर्ति बाधित हो रही है, तो यूरोप भयंकर ऊर्जा संकट में जाने वाला है. यूरोपीय देशों ने अपने कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों को फिर से चलाने का निर्णय लिया है, लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा. ऐसे में यह भी चिंता व्यक्त की जा रही है कि पहली बार यूरोप को इन सर्दियों में ऊर्जा की कमी के चलते तापीकरण में कठिनाई हो सकती है. हालांकि अमेरिका और यूरोपीय देश ही नहीं, उनके अन्य सहयोगियों को भी प्रतिबंधों और युद्ध के अन्य परिणामों से जूझना पड़ रहा है, पर निकट भविष्य में यूरोप पर ही संकट का ज्यादा असर होगा. यूरोपीय देशों की मुद्राओं में भारी अवमूल्यन हो रहा है तथा महंगाई के साथ अर्थव्यवस्थाओं में असंतुलन भी बढ़ रहे हैं. यह पहली बार हुआ है कि अमेरिकी ब्लॉक के देशों को प्रतिबंधों का इतना नुकसान हो रहा है. अभी आवश्यक है कि ये देश अपने नागरिकों को समस्याओं से बचाएं. दुनिया में शांति की जरूरत है, लेकिन उसके लिए ह्यनाटोह्ल को दूसरे मुल्कों की शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जा सकती. रूस द्वारा यूक्रेन पर युद्ध थोपना गलत है, लेकिन ह्यनाटोह्ल देशों द्वारा यूक्रेन में प्रवेश की कोशिश उसके मूल में है. यदि यूक्रेन और ह्यनाटोह्ल देश अपनी हठधर्मिता छोड़ दें, तो शांति भी स्थापित हो सकती है और आर्थिक संकट भी दूर हो सकते हैं. संबद्ध पक्षों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.

जरूरी उपाय है मुफ्त राशन योजना

भोजन का अधिकार वैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार है या मानवाधिकार? भारत ने भी 1966 के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की घोषणा पर हस्ताक्षर किया है, जिससे भोजन का अधिकार निकला है. इस प्रकार इस अधिकार में सीमाओं से परे मानवाधिकार होने के तत्व हैं. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (सम्मान से जीवन का अधिकार), 39 (ए) और 47 से जोड़ते हुए एक मौलिक अधिकार माना है.

भोजन का अधिकार वैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार है या मानवाधिकार? भारत ने भी 1966 के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की घोषणा पर हस्ताक्षर किया है, जिससे भोजन का अधिकार निकला है. इस प्रकार इस अधिकार में सीमाओं से परे मानवाधिकार होने के तत्व हैं. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (सम्मान से जीवन का अधिकार), 39 (ए) और 47 से जोड़ते हुए एक मौलिक अधिकार माना है.

नीति निर्देशक तत्व के हिस्से अनुच्छेद 39 (ए) में जीवनयापन के समुचित साधन मुहैया कराने तथा अनुच्छेद 47 में पोषण और जीवन स्तर बेहतर करने के निर्देश राज्यों को दिये गये हैं. आयोग का कहना है कि भूख का अर्थ मौलिक अधिकारों से वंचित करना है. भूख के सबूत के लिए भुखमरी की आवश्यकता नहीं है. संकट को पहले ही पहचान लेना चाहिए.

मानवाधिकार आयोग ने सार्वजनिक नीति में व्यापक बदलाव करने तथा सभी नागरिकों के लिए विशेष प्राथमिकता के तौर पर भोजन व पोषण सुनिश्चित करने का आह्वान किया है. भूख और परेशानी को जख्म के रूप में देखा जाना चाहिए तथा ऐसी स्थिति के लिए राज्य को दंडित किया जाना चाहिए. संक्षेप में अगर राजकोष का भारी खर्च भी हो, तब भी भूख मिटाना प्रमुख नीतिगत प्राथमिकता होनी चाहिए. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की दृष्टि मुफ्त राशन कार्यक्रम की अवधि को तीन महीने और बढ़ाने के सरकार के हालिया निर्णय के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो जाती है. इसका अतिरिक्त खर्च 44 हजार करोड़ रुपये होगा. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना राशन दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अधिक समय तक चलने वाली मुफ्त राशन वितरण योजना होगी, जो 33 माह चलेगी. भोजन के अधिकार के प्रति भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भोजन मुफ्त में दिया जाना चाहिए, लेकिन भुखमरी से हुई मौतों द्वारा इंगित गंभीर स्थिति ने मुफ्त राशन देना जरूरी कर दिया है. बीस साल पहले भारत में भोजन के अधिकार का अभियान शुरू हुआ था, जिसकी जड़ें सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका में थीं. उस याचिका की जरूरत इसलिए पड़ी थी कि सरकारी गोदाम अनाज से भरे थे, लेकिन देशभर में भूख और कुपोषण के सबूत सामने थे. राष्ट्रव्यापी अभियान का एक परिणाम यह हुआ कि 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून पारित किया गया. इस पर कई लोगों, विशेषकर वित्तीय आयामों को लेकर चिंतित लोगों, ने आपत्ति जतायी, जो भारी वित्तीय बोझ को लेकर चिंता जता रहे थे. कुछ कैबिनेट मंत्रियों ने भी सवाल उठाये थे. इस कानून के तहत हर परिवार को प्रति व्यक्ति पांच किलो चावल, गेहूं या ज्वार/बाजरा क्रमशः तीन, दो और एक रुपये किलो की दर से हर माह देने का प्रावधान है. एक मंत्री ने कहा था कि चूंकि एक किलो चावल पैदा करने में 20 रुपये लगते हैं, पर अब इस कानून के तहत तीन रुपये में एक किलो चावल मिलेगा, तो कोई किसान चावल पैदा करने के लिए क्यों परेशान होगा. यह व्यंग्य नहीं था, बल्कि भारी वित्तीय खर्च की ओर संकेत था. इस कानून के दायरे में ग्रामीण आबादी का तीन-चौथाई हिस्सा तथा शहरी आबादी का आधा हिस्सा आते हैं. यह संख्या लगभग 81 करोड़ है. सबसे गरीब तबके को हर माह प्रति परिवार 35 किलो अनाज अंत्योदय अन्न योजना के तहत दिये जाते हैं. बहुत अधिक अनुदान पर मिलने वाले अनाज के साथ यह संभावना हमेशा रहती है कि लाभार्थी इसे खुले बाजार में बेच दें, पर प्रधानमंत्री अन्न योजना ने अनाज को पूरी तरह मुफ्त कर दिया. अगर खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले अनाज को बाजार में बेचा जा सकता है, तो वह संभावना मुफ्त अनाज के साथ भी है. इसे कैसे रोका जा सकता है? प्रधानमंत्री मुफ्त अनाज योजना कोरोना के कारण अप्रैल, 2020 में शुरू हुई थी. भारत जीवनयापन के संकट को व्यापक खाद्य संकट में बदलना नहीं चाहता था. इस योजना से हमें बहुत फायदा हुआ है और आज खाद्य मुद्रास्फीति के दौर में इसने महंगे अनाज के खरीद से भी परिवारों को बचाया है. खाते में निर्धारित नगदी लाभार्थी को मुद्रास्फीति से नहीं बचाती है.

इस योजना की अवधि छह बार बढ़ायी गयी है और अब यह दिसंबर, 2022 तक जारी रहेगी. यह वृद्धि हिमाचल प्रदेश और गुजरात के विधानसभा चुनाव को देखते हुए की गयी है. इस बात के ठोस सबूत हैं कि इस योजना से सत्तारूढ़ पार्टी को चुनावी लाभ मिला है. यह दिलचस्प है कि भारी वित्तीय बोझ के कारण इस वृद्धि का वित्त मंत्रालय ने विरोध किया है. इस बढ़ोतरी पर 44 हजार करोड़ रुपये का खर्च आयेगा. कुल मिलाकर इस अन्न योजना का खर्च 4.5 लाख करोड़ रुपया है, जो भारत की जीडीपी का दो प्रतिशत है. तेल की कीमतें बढ़ने के कारण खाद अनुदान इस साल दो लाख करोड़ रुपये तक जा सकता है, भले ही बजट आवंटन केवल एक लाख करोड़ रुपया है. वित्त सचिव इस साल वित्तीय घाटा लक्ष्य को पूरा करने को लेकर आश्वस्त थे क्योंकि कर संग्रहण बहुत अच्छा रहा है. पर उनका बयान अन्न योजना के विस्तार से पहले आया था. आयकर का एक बड़ा हिस्सा वापस भी होगा, जिसका पता अगले साल हो सकेगा. अब सवाल यह है कि क्या अन्न योजना को समाहित करने के लिए कोई और त्याग करना होगा. वित्तीय दबाव के कारण ही सरकार को अग्निपथ योजना लानी पड़ी, जिसके तहत कम अवधि के लिए सेना में भर्ती हो रही है. कुछ हवाई अड्डों पर अर्द्धसैनिक सुरक्षाकर्मियों की संख्या कम की गयी है.

कम खर्च चिंताजनक

वर्तमान वित्त वर्ष के बजट में आवंटित धन को केंद्रीय मंत्रालयों ने पूरी तरह खर्च नहीं किया है. इसकी मुख्य वजह यह है कि केंद्र सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं के लिए जो धन राज्यों को दिये गये थे, उन्हें ठीक से खर्च नहीं किया जा सका है. अब यह धन, जो 80 हजार करोड़ रुपया तक हो सकता है, वापस केंद्र सरकार के राजकोष में आ जायेगा. विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर जो अतिरिक्त खर्च केंद्र सरकार ने किया है, उसकी कुछ भरपाई इस धन से हो सकेगी. एक ओर जहां यह केंद्र सरकार के लिए कुछ राहत की बात है, वहीं इससे यह चिंताजनक संकेत भी मिलता है कि योजनाओं का प्रारूप बनाने तथा समुचित धन हासिल करने के बाद भी मंत्रालय व सरकारें खर्च करने में असमर्थ हैं. इसका सीधा अर्थ यह है कि कई योजनाओं को साकार नहीं किया जा सका है. केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय को 10,667 करोड़ रुपये मिले थे, लेकिन अगस्त तक इस रकम का केवल चार प्रतिशत ही खर्च हो सका है. पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पांच, दवा मंत्रालय ने सात, महिला व बाल विकास मंत्रालय ने छह प्रतिशत ही खर्च किया है. शिक्षा मंत्रालय का आंकड़ा 19 फीसदी है. कुछ अन्य मंत्रालयों का भी यही हाल है. कुल मिलाकर केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2023 के बजट आवंटन का 35.2 प्रतिशत ही खर्च किया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 36.7 प्रतिशत था. अनेक राज्यों द्वारा केंद्रीय आवंटन को लौटाने का मामला पुराना है, लेकिन इस प्रवृत्ति पर रोक लगायी जानी चाहिए तथा जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए. केंद्र सरकार के मंत्रालयों को भी बेहद मामूली खर्च का स्पष्टीकरण देना चाहिए. वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सरकार अक्टूबर से मार्च के बीच यानी चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कुल 5.92 लाख करोड़ रुपये की उधारी लेगी. इस तरह के उधार पर ब्याज भी देना होता है और ब्याज दरें बढ़ भी रही हैं. ऐसे में अगर आवंटित रकम खर्च न हो तो, इसका दोहरा नुकसान होता है.

एक ओर विकास और कल्याण योजनाएं प्रभावित होती हैं, तो दूसरी तरफ अधिक ब्याज देना पड़ता है. अत्यंत आवश्यक कल्याणकारी योजनाओं के लिए भारत सरकार को बहुत अधिक खर्च करना पड़ रहा है. इसके मद्देनजर कुछ अन्य खर्चों में कटौती की स्थिति भी आ सकती है. आम तौर पर कटौती पिछले साल के खर्च के हिसाब को देखकर होती है. जिन राज्यों और मंत्रालयों द्वारा खर्च की गति धीमी या सुस्त है, उन्हें कटौती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है.

टोल प्लाजा पर लोकल गाड़ियों से अवैध वसूली
लोकल की गाड़ी से तीन बार टोल काटा

मुरैना। ग्वालियर रोड नगर निगम सीमा क्षेत्र में स्थित टोल प्लाजा पर अवैध वसूली का खेल जमकर चल रहा है और लोकल की गाड़ियों से भी अवैध वसूली की जा रही है। अब तो हद इतनी पार कर गए हैं कि लोकल की गाड़ियों से तीन-तीन बार टोल काटा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है, जिसके बाद टोल पर बैठे जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार 4 अगस्त को मुरैना शहर की एक लोकल गाड़ी क्रमांक एमपी 06 सीबी 1456 टोल प्लाजा से गुजरी तो उसका तीन बार टोल काट दिया गया, जिसमें समय 9:47 बजे 10:48 बजे एवं 3 बजे बताया गया है। उक्त टोल प्लाजा पर बाहरी एवं लोकल के वाहनों से अवैध वसूली का सिलसिला नया नहीं है, काफी समय से अधिकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है, इसके चलते कई बार यहां मारपीट एवं फायरिंग की घटनाएं भी हो चुकी हैं, लेकिन बावजूद इसके कर्मचारी बाज नहीं आ रहे हैं। शुक्रवार को जिस गाड़ी का तीन बार टोल काटा गया, उससे स्पष्ट होता है कि टोल प्लाजा पर किस तरह आमजन के साथ लूट की जा रही है। शासन एवं प्रशासन द्वारा टोल प्लाजा अधिकारी कर्मचारियों पर तमाम शिकायतों के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती, जिससे उनके हौसले बुलंद हैं और मनमानी कर रहे हैं।

पशु चराते समय आकाश की बिजली गिरने से युवक की मौत

मुरैना। जिले की पोरसा तहसील के नगरा थाना अंतर्गत जनकपुर गांव में गुरुवार की देर शाम को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच आरंभ कर दी है। पोरसा तहसील क्षेत्र के जनकपुर गांव में देर शाम बारिश हुई और अकाशीय बिजली गिरने से कुलदीप शर्मा नामक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना का पता परिजनों को उस समय लगा, जब उसके पशु बिना कुलदीप के ही घर पहुंच गए। घटना की सूचना नगरा थाना पुलिस को दी गई, जिस पर से पुलिस ने लाश को बरामद कर पीएम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

ड्राइवर की लापरवाही के कारण अनियंत्रित होकर यात्री बस पलटी 2 दर्जन से अधिक यात्री हुए घायल

उमाकान्त शर्मा दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। नयागांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रौरा का पुरा गांव के पास एक यात्रियों से भरी बस ड्राइवर की लापरवाही और सड़क की हालत खराब होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें लगभग 2 दर्जन से अधिक यात्रियों के घायल होने की सूचना मिली है। जैसे ही बस पलटी मौकास्थल पर अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद ग्रामीण जनों के द्वारा तुरंत फोन द्वारा उक्त सूचना नयागांव थाना प्रभारी आलोक तोमर को दी गई। सूचना मिलते ही नयागांव थाना प्रभारी आलोक तोमर दल बल के साथ मौकास्थल पर पहुंचे। वहां से उन्होंने घायलों को जिला चिकित्सालय के लिए भिजवाया घायलों को जिला चिकित्सालय लाने के लिए इमरजेंसी सेवा 108 की गाड़ियां और डायल हंड्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंचकर घायलों को शीघ्र जिला चिकित्सालय लाने में काफी मददगार साबित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्री बस (उत्तर प्रदेश) के हनुमंत पुरा चौराहे से यात्रियों को लेकर भिण्ड के लिए आ रही थी। जिसमें लगभग 50 यात्री सवार थे बस में सवार यात्रियों के अनुसार बस चालक रास्ते में ही बस को चलाते हुए पानी पीने लगा जिसके चलते ड्राइवर ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। फिर ड्राइवर ने बस पर काबू पाने का बहुत प्रयास किया लेकिन तब तक बहुत देर हो गई थी। और इसी लापरवाही के कारण बस अनियंत्रित होकर सड़क के बगल में बनी खाई में जा गिरी। जिसमें लगभग 2 दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए घायलों में 8 यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिनके नाम हैं वर्षा पत्नी रवि उम्र 25 वर्ष निवासी बंसरी उत्तर प्रदेश, विमला देवी पत्नी सुखराम सिंह 60 वर्ष सरसई, सरिता देवी पत्नी रामबरन सिंह 50 वर्ष निवासी सरसई, आरती बघेल पुत्री हरेंद्र 18 वर्ष निवासी सरसई, अंजू देवी पत्नी विनोद सिंह 30 वर्ष निवासी सकतपुरा, लालता प्रसाद पुत्र छोटेलाल 60 वर्ष एवं लव कुश पुत्र मुकेश 15 वर्ष निवासी मडनई हैं।

स्थानीय विधायक घायलों से मिलने पहुंचे जिला चिकित्सालय- उक्त जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक संजीव सिंह कुशवाह जिला चिकित्सालय में पहुंचे तथा घायलों से मिलकर जाना उनका हाल साथ ही अस्पताल प्रबंधन को घायलों का उचित इलाज करने को कहा।

कौन होगा-चित्रकूट विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार

क्या इस बार चित्रकूट सीट से सांसद गणेश सिंह स्वयं लड़ेंगे चुनाव, कांग्रेस से सिंगल नीलांशु चतुर्वेदी का नाम हाईकमान के लिस्ट में, सतना लोकसभा के सात में से एक मात्र विधानसभा सीट ऐसी है, जहां भाजपा को अक्सर हार का मुंह देखना पड़ा है

पुष्पांजली टुडे
राजेश कुमार तिवारी, ब्यूरो चीफ सतना

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारिया सभी पार्टियों ने जोर सोर से सुरू कर दी है। आइए जानते हैं कि सतना लोकसभा की, सात(7)विधानसभा सीटो में अभी तक क्या है। चुनावी हलचल, सतना लोकसभा की सात विधानसभा सीटो में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा ज्यादातर सीटों पर रहा है। अगर पिछले चुनाव को देखा जाए तो सतना -रैगाव एवं चित्रकूट विधानसभा को छोड़कर सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है, वही सतना एवं रैगाव सीट में भी भाजपा ज्यादातर सत्ता में रही है, परंतु चित्रकूट विधानसभा एक ऐसी सीट है जहां पर भाजपा हमेशा बैकफुट पर नजर आती है। और ज्यादातर हार का मुंह देखना पड़ा है। आगमी 2023-24 के विधानसभा चुनाव में चित्रकूट विधानसभा सीट में कांग्रेस का किला भेदने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की चयन की प्रक्रिया तेज कर दी है। अगर हम चित्रकूट सीट से भाजपा के उम्मीदवारों की लिस्ट देखें तो काफी बड़ी लिस्ट दिखाई दे रही है। परंतु वही बड़ी लिस्ट में कुछ चेहरे ऐसे भी हैं जिन्हें इस बार चित्रकूट विधानसभा के आमजन कि सहमत प्राप्त है। शंकर दयाल त्रिपाठी, सुरेंद्र सिंह गहरवार, सुभाष शर्मा (डोली), चंद्र कमल त्रिपाठी यह चारों नाम चित्रकूट विधानसभा सीट सप्रबल दावेदारों में गिने जाते हैं। लोकप्रियता की बात की जाए तो सुभाष शर्मा (डोली) एवं सुरेंद्र सिंह गहरवार पहले एवं दूसरे नंबर पर बने हुए हैं ।

फिर भी कहीं ना कहीं कांग्रेस का पड़ा भारी दिखाई दे रहा है-चित्रकूट विधानसभा के आमजन के साथ-साथ राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार भी चित्रकूट सीट से कांग्रेस का आना तय है, कारण पूछे जाने पर कहा गया कि चित्रकूट विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी आपसी मतभेद एवं आपसी भितरघात के चलते कभी भी चित्रकूट विधानसभा सीट में कांग्रेस का किला नहीं भेद पाएगी, अगर ऐसा ना हुआ होता तो शंकर दयाल त्रिपाठी एवं सुरेंद्र सिंह गहररवार दोबारा विधायक होते। वही राजनीति जानकारों का कहना है कि अगर भारतीय जनता पार्टी को चित्रकूट सीट से कांग्रेस का किला भेदना है तो सतना सांसद गणेश सिंह को मैदान में उतारना होगा। सांसद गणेश सिंह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे ऐसी खबरें देखने को भी मिल रही हैं। वही गणेश सिंह की तरफ से अभी तक चुनाव लड़ने की बात नही कही गई है ।

जनप्रतिनिधियों का एक कर्तव्य जनता की जन सेवा के लिए होता है : नरेंद्र सिंह कुशवाह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत श्रवण मास में वार्ड क्रमांक 18 वार्ड बन खंडेश्वर रोड पर सद्भावना सम्मेलन में शामिल हुए और सर्व समाज ने उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत करते हुए सम्मान किया। वही युवा तरुणाई के साथ पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जहां लोगों ने छत पर पुष्प वर्षा की और उन्होंने दोनों हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन किया। सद्भावना सम्मेलन में पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि सद्भावना का उद्देश्य सर्व समाज में सामाजिक समरसता का भाव जागृत करता है और हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई के त्यौहार भाईचारे को बढ़ावा देते हैं श्रावण मास का समय है यही भोलेनाथ से प्रार्थना करता हूं कि समाज में सुख और समृद्धि शांति और सद्भावना सर्वधर्म मैं स्थापित हो। विधायक श्री कुशवाह ने कहा कि की चुनाव का समय आने वाला है जब हम वोट देते हैं तो विकास कारों के लिए जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि हम विकास और प्रगति के लिए हमेशा जनता के बीच रहकर सुख और दुख में शामिल होकर जन सेवा भाव से कार्य करें। सद्भावना सम्मेलन में सहकारी बैंक के पूर्व सेवा निवृत शाखा प्रबंधक समाजसेवी श्याम नारायण बाजपेई ने कहा की सामाजिक सद्भावना हम सबको भाईचारे का संदेश जागृत करता है समाज में सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ावा दिया जा सकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुस्लिम समाज के इरफान काजी, संचालन पूर्व पार्षद अनूप पांडे एवं आभार व्यक्त बड़े राठौर द्वारा ने किया। इस अवसर पर प्रेमसागर बाजपेई इसरार कुरेशी विशेष रूप से मंचासीन थे।

कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव कुमार श्रीवास्तव ने संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री संजीव कुमार श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट परिसर में सामान्य शाखा, न्याय शाखा, राजस्व शाखा, निर्वाचन शाखा, एनआईसी कक्ष, जन अभियान परिषद कार्यालय, स्टोर शाखा, लेखा शाखा, स्थापना शाखा, खाद्य आपूर्ति कार्यालय, महिला बाल विकास कार्यालय, जिला जनसंपर्क कार्यालय, योजना मण्डल, डूडा कार्यालय, जिला आयुष कार्यालय, आबकारी कार्यालय, डीपीसी, भू-अभिलेख, ई-दक्ष केंद्र, लोक सेवा कंट्रोल रूम, पेंशन कार्यालय, जिला कोषालय कार्यालय सहित विभिन्न कार्यालयों व अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर अधिकारी कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों द्वारा संपादित किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश भी दिए।कलेक्टर संजीव कुमार श्रीवास्तव ने निरीक्षण के दौरान समस्त कार्यालयों के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया तथा अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में सफाई व्यवस्था का अवलोकन कर स्वच्छता के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाएं: एसडीएम शर्मा

पुष्पांजलि टुडे, जिला ब्यूरो राजेश नरवरिया

करैरा (शिवपुरी)। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाने के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम अजय शर्मा ने कहा कि सभी मिलकर राष्ट्रीय त्योहार हर्ष उल्लास से मनाए। श्री शर्मा ने अधिकारियोंट्ठ कर्मचारियों को दायित्व सौंपते हुए निर्देशित किया कि यह राष्ट्रीय कार्य है इसमें किसी भी प्रकार की कोई कमी न रखी जाए। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई, वाटर प्रूफ टेंट, कुर्सियां, प्रांगण में मुरम आदि समय से सुनिश्चित करने हेतु प्रथक प्रथक दायित्व सौपे। बैठक में तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा, सीईओ ब्रमभेंद्र गुप्ता,सीएमओ ताराचंद धूलिया, नगर निरीक्षक सुरेश शर्मा, नायब तहसीलदार दृगपाल सिंह, प्राचार्य अरविंद त्रिपाठी, अरविंद यादव, मुरारी लाल गुप्ता, बीइओ जगभान सिंह लोधी, बीआरसी विनोद तिवारी, एन के सिंह विद्युत सहायक यंत्री, सतीश पंचरत्न एसडीओ, एसएडीओ वाय एस यादव,भगवत सक्सेना, संजय दुबे सहित समस्त अन्य विभागों के विभाग प्रमुख, पत्रकार गण मौजूद रहे। एसडीएम श्री शर्मा ने सभी के सुझाव भी आमंत्रित किए। जिसमें बैठक में उपस्थित लोगों ने अनेक सुझाव दिए जिस पर उन्होंने अमल करने की आश्वासन दिया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस द्वारा थाना स्तर पर

राकेश परिहार पिछोर

मध्यप्रदेश में अभिमन्यु अभियान का दूसरा चरण शुरू किया गया है । महिला संबंधी अपराधों मे कमी लाने व रोकने के लिए स्कूल कॉलेज और बस्तियों में लोगों को समझइस दी जा रही है। बचपन से ही पुरुषों में लैंगिक समानता महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने और महिला अपराधों के प्रति उन्हें संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह के नेत्रत्व मे शिवपुरी पुलिस द्वारा अभिमन्यु अभियान चलाया जा रहा है इसका दूसरा चरण मंगलवार से शुरू हुआ जो 15 अगस्त तक चलेगा जिसके अंतर्गत आज दिनांक 03/08/2023 शिवपुरी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र मे सभी वर्गों के पुरुष को एवं गुरुवार कस्बा, बाजार, ग्राम एवं थाना में उपस्थित सभी अधिकारी कर्मचारी को शपथ दिलाई कि वह महिलाओं का सम्मान करेंगे संबंधित अपराधों के प्रति संवेदनशील बनेंगे लैंगिक समानता व महिलाओं के साथ होने वाले असमानता एवं शोषण को रोकने के लिए स्वयं को प्रतिबंधित करेंगे और अपने घर अपने आसपास गांव शहर ,किसी भी जगह महिलाओं के साथ कोई भी दुर्व्यवहार हो तो अभिमन्यु बनकर उनकी रक्षा करेंगे की शपथ दिलाई । इसी क्रम मे चौकी खो? द्वारा आज अभियान के दूसरे चरण के दौर में महिला संबंधी अपराध रोकने के लिए माध्यमिक विद्यालय खोल एवं श्री धाय महादेव चौराहे पर महिला संबंधी अपराधों के संबंध में जागरूक किया। चौकी मगरौनी थाना नरवर द्वारा नवोदय विद्यालय पनघटा के बच्चो को विद्यालय में जा कर महिला संबंधी अपराधो के संबंध में जागरूक किया एवम महिलाओं के साथ जो दुव्यवहार करेगा अभिमन्यु बनकर उनकी रक्षा करेंगे की शपथ दिलाई गई ।

पिछोर तहसीलदार ने मतदाता जागरूकता प्रचार रथ किया रवाना

राकेश परिहार पिछोर

पिछोर। विधानसभा 26 पिछोर में तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शिव शंकर गुर्जर द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। तहसीलदार शिवशंकर सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र 26 पिछोर के आने वाले समस्त मतदान केंद्रों में नवीन एवं युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल करने एवं अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता वाहन के माध्यम से 3 अगस्त 2023 से 31 अगस्त 2023 के मध्य प्रचार प्रसार किया जाना है। इसके लिए प्रचार वाहन के साथ-साथ प्रभारी एवं गाइड को भी इसके के साथ लगाया गया है ।जो रूट चार्ट के माध्यम से ग्रामों में वाहन द्वारा प्रचार प्रसार करेंगे इसके साथ ही प्रचार रथ के साथ साथ प्रत्येक गांव के सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता आदि को इस कार्यक्रम में सहयोग हेतु शामिल किया गया है,जो रूट चार्ट के माध्यम से अपनी अपनी पंचायत मुख्यालय पर उपस्थित रहकर के इस कार्य में सहयोग करेंगे । प्रचार रथ को रवाना करते समय सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार शिवशंकर गुर्जर, वरिष्ठ अभिभाषक अमृतलाल लोधी, अक्षय भट्ट, पुष्पेंद्र बुंदेला, हरिदास त्रिपाठी नीरज व्यास, प्रमोद त्रिपाठी सहित युवा मतदाता एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं के लिए लाभप्रद

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं को मजदूरी के नुकसान की भरपाई करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई है। मातृत्व वंदना योजना में मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने की वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार और उनकों नगदी प्रोत्साहन के माध्यम से अधीन पोषण के प्रभाव को कम करना है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पहले जीवित बच्चें के जन्म के दौरान लाभ मिलेगा होगा। योजना के लाभ की राशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है। योजना में गर्भवती महिलाओं को पहली किस्त के रूप में एक हजार रूपए पंजीकरण के समय दी जाती है। दूसरी किस्त दो हजार रूपए 6 माह की गर्भवास्था के बाद और तीसरी किस्त बच्चे का जन्म के बाद इस प्रकार कुल 5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता गर्भवती महिलाओं को दी जाती है। बच्चें को बीसीजी, ओपीवी, डीपीटी और हेपेटाइटिस-बी सहित टीके निःशुल्क लगाए जाते हैं।केन्द्रीय और राज्य सरकार या किसी सार्वजनिक उपक्रम में नियमित रोजगार में है वे किसी अन्य योजना या कानून के तहत समान लाभ प्राप्त करती है।

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें-चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का-हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झडने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त-दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा-थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता-पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा-थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा-3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतर: मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी-ओमेगा-थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

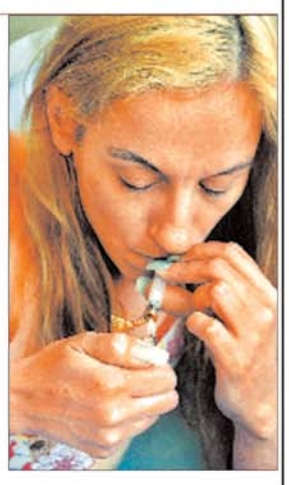

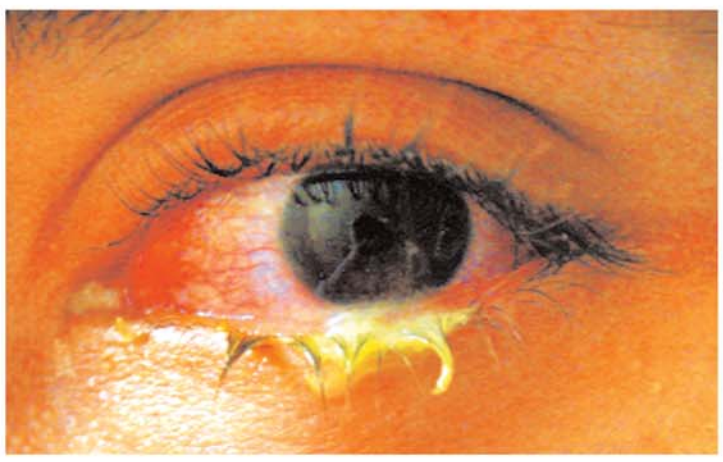

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्रायः उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय-समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ-सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्रायः दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

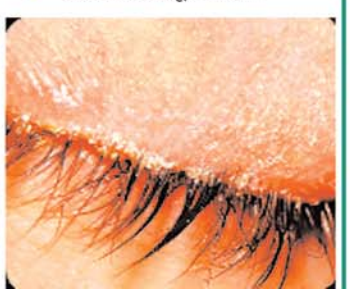

एक्टिंग नहीं छोड़ना चाहतीं
एक्ट्रेस दीपिका

ससुराल सिमर का एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने एक्टिंग छोड़ने की खबरों को खारिज किया। उन्होंने साफ किया कि वो एक्टिंग नहीं छोड़ने वाली हैं, बल्कि उनके बयान को अलग तरह से लिया गया है। दरअसल, सोमवार को यह खबर सामने आई कि एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा है कि वो अब एक्टिंग छोड़ना चाहती हैं। इस खबर से दीपिका के फैंस बेहद निराश हुए। एक्ट्रेस के इस फैसले के लिए उन्होंने उनकी शादी को जिम्मेदार ठहराया। लोग उनके इंटर-फेथ विवाह पर भद्दे कमेंट्स करने लगे। इन सभी चीजों के बाद दीपिका ने सामने आकर इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

लोगों ने मेरी बातों का गलत मतलब निकाला

दीपिका कक्कड़ ने बातचीत के दौरान एक्टिंग छोड़ने की खबरों पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा- मुझे अभी यह खबर मिली कि मैं एक्टिंग छोड़ रही हूं। लोगों ने पिछले इंटरव्यू में मेरी बातों का गलत मतलब निकाला कि मैं एक्टिंग छोड़ रही हूं। इसलिए साफ करना चाहूंगी कि ऐसा कुछ भी नहीं है।'

मुझे हमेशा से हाउसवाइफ बनना पसंद है

उन्होंने आगे कहा- ' मुझे हमेशा से हाउसवाइफ बनना पसंद है। शोएब ऑफिस जाएं और मैं उनके लिए नाश्ता बनाऊं, घर का ध्यान रखूं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं दोबारा काम नहीं करना चाहती हूं।'

हो सकता है मैं 4-5 साल तक काम न कर पाऊं

दीपिका ने आगे कहा- 'हो सकता है कि आने वाले दिनों में करीबन 4-5 साल तक काम ना कर पाऊं, या फिर मुझे किसी अच्छे प्रोजेक्ट का ऑफर न मिल पाए, जिसमें मैं काम करूं। ऐसा भी हो सकता है कि मैं अपने 4-5 साल बच्चे पर दूं। ये सारी चीजें सिर्फ कह सकती हूं जब तक बेबी नहीं हो जाता।'

दीपिका के इस बयान पर लगाए गए एक्टिंग छोड़ने के कयास

पिंकविला को दिए इंटरव्यू में दीपिका ने कहा था- मैं प्रेग्नेंसी फेज को इंजॉय कर रही हूं और जल्द अपने पहले बच्चे का वेलकम करने वाली हूं। इस बात को लेकर एक अलग ही एक्साइटमेंट हैं। मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। लगातार 10-15 साल उम्र में काम करती रही। जैसी ही मेरी प्रेग्नेंसी जर्नी शुरू हुई, मैंने शोएब से कहा कि मैं काम नहीं करना चाहती और एक्टिंग छोड़ना चाहती हूं। मैं एक हाउसवाइफ की तरह रहना चाहती हूं।'

लंबे समय से एक्टिंग से दूर हैं दीपिका

दीपिका को आखिरी बार स्टार प्लस के शो 'कहां हम कहां तुम' में देखा गया था। तब से अब तक वो टेलीविजन से दूर हैं। फिलहाल ऐक्ट्रेस अपने ब्लॉग के जरिए खुद को बिजी रख रही हैं, जहां वो अपनी प्रेग्नेंसी, हेल्थ अपडेट, शोएब के साथ डेट से लेकर जिंदगी की छोटी-छोटी डिटेल्स शेयर करती रहती हैं।

2010 से की थी करियर की शुरुआत, जीता बिग बॉस सीजन 12

दीपिका ने 2010 में टेलीविजन डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने लक्ष्मी का

'अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो' में काम किया। टीवी सीरियल ससुराल सिमर का दीपिका के करियर का सबसे फेमस शो रहा, जो 2011 से लेकर 2018 तक चला। इसके अलावा दीपिका झलक दिखला जा 8, नच बलिए 8 और एंटरटेनमेंट की रात जैसे शोज में भी नजर आई। दीपिका बिग बॉस 12 की विनर भी रह चुकी हैं।

बिना पगड़ी के नजर आएंगे
दिलजीत दोसांझ

इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म चमकीला में पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ पहली बार बिना पगड़ी के नजर आएंगे। मेकर्स ने मंगलवार सुबह टीजर जारी किया। स्ट्रीमिंग जायंट नेटफ्लिक्स ने मंगलवार सुबह इंस्टाग्राम पर टीजर साझा किया। टीजर को देख ऐसा लग रहा है कि दिलजीत ने विग पहनी हुई है। उन्होंने फिल्म में पंजाब के हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग आर्टिस्ट अमर सिंह चमकिला की भूमिका निभाई है। टीजर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- जो नाम सालों से आपके दिल और दिमाग पर छाया है वो अब आपके सामने आया है। देखिए पंजाब के हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग आर्टिस्ट अमर सिंह चमकिला की अनकही कहानी, जल्द ही सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। चमकीला में परिणीति चोपड़ा ने उनकी साथी अमरजोत कौर की भूमिका निभाई है। चमकीला और उनकी पत्नी की 1988 में गोलियां मारकर हत्या कर दी थी गई थी।

13 साल बाद
कमबैक कर रहे
फरदीन

फरदीन खान फिल्म विस्फोट के जरिए बॉलीवुड में कमबैक कर रहे हैं। एक्टर का कहना है कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी ऐसी भूमिका नहीं निभायी, जो वो विस्फोट में निभाते नजर आएंगे। एक्टर इंटरनेट पर काफी वायरल हुई। आईफा अवार्डस 2023 के मौके पर मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बात की। फरदीन ने कहा- मैं विस्फोट को लेकर बहुत उत्साहित हूं। फिल्म का निर्माण कर रहे हैं और कूकी गुलाटी, जिनके साथ मैंने पहले एक विज्ञापन के लिए शूटिंग की है, इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कहानी फरदीन के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक पायलट के बेटे का अपहरण कर लेता है, जिसे रितेश देशमुख ने निभाया है। फिल्म के बारे में जानकारी साझा करते हुए अभिनेता ने रीमेक है। मैंने इससे पहले इस तरह की भूमिका करने का प्रयास नहीं किया है। यह 24 घंटे में बताई गई कहानी है, इसलिए यह एक तेज स्पीड वाली क्राइम थ्रिलर है। मैं इसके जल्द रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं। फरदीन आखिरी बार 2010 में रिलीज हुई फिल्म दूल्हा मिल गया में नजर आए थे। एक्टर 13 साल बाद वापसी कर रहे हैं।

जुहू में यश चोपड़ा
की पड़ोसी बनीं
उर्वशी रोतेला

उर्वशी रौतेला हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भले ही अपनी खास जगह न बना पाई हों, लेकिन फैशन के लिए अभिनेत्री हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। बीते कुछ समय से कई बार उनका नाम ऋषभ पंत के साथ जोड़ा जाता रहा है। लेकिन दोनों ने ही हमेशा इसको इग्नोर किया है। अब उर्वशी रौतेला को लेकर एक और खबर सामने आ रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि उर्वशी के घर की तलाश पूरी हो गई है और वह नए बंगले में शिफ्ट हो गई हैं। उर्वशी रौतेला पिछले सात-आठ महीने से मुंबई में अपने लिए घर की तलाश कर रही थीं और उनकी यह तलाश खत्म होती दिख रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार उर्वशी रौतेला जुहू में यश चोपड़ा के बंगले के पास वाले बंगले में शिफ्ट हो गई हैं। यह वही बंगला है, जिसमें यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा निधन से पहले तक रहती थीं।

नोरा ने डांसर्स के लिए
अवॉर्ड कैटेगरी न होने पर जताया अफसोस

अवॉर्ड शोज हों या म्यूजिक कॉन्सर्ट्स या फिर स्टेज शोज और यहां तक कि फिल्मों में भी डांस हमेशा से बॉलीवुड का अहम हिस्सा रहा है। हालांकि, एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी तक डांसर्स को उतना सम्मान नहीं मिलता है। नोरा का सवाल उठाया है कि आखिर डांसर्स के लिए कोई अवॉर्ड कैटेगरी क्यों नहीं होती है? बातचीत के दौरान नोरा ने अवॉर्ड शोज में 'बेस्ट परफॉर्मर इन ए सॉन्ग' के लिए कोई भी कैटेगरी न होने पर अफसोस जताया है। उन्होंने कहा- 'हमारे कई फेमस डांस नंबर्स अपनी आइकॉनिक डांस स्टाइल के बदौलत जाने जाते हैं, लेकिन कभी भी उन कलाकारों को उनके आइकॉनिक डांस के लिए बॉलीवुड में अवॉर्ड नहीं दिया गया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में यह बदलाव जरूर आएगा। नोरा ने आगे कहा- 'जब से बॉलीवुड की शुरुआत हुई है, डांस ने इंडस्ट्री को स्तर पर फेम मिला है। डांस एक ऐसी चीज है, जो बॉलीवुड को अन्य फिल्मों से अलग करती है। दशकों से हमने बड़े पर्दे पर तरह-तरह की डांस फॉर्म्स को देखा है, यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगता है। नोरा ने अपने करियर में कई डांस रियलिटी शोज जज किए हैं। उन्हें उम्मीद है कि भारत में और भी डांस फिल्में बनेंगी। नोरा ने कहा- मेरा अलग-अलग कहानियों और नए डांस फॉर्म्स के बारे में पता चलता है। ऐसी बहुत सी कहानियां हैं, जिन्हें डांस के जरिए बताया जा सकता है और मुझे नहीं लगता है कि अभी तक ऐसे कॉन्सेप्ट पर ज्यादा काम किया गया है। नोरा ने कहा कि वो डांस और लव स्टोरी से जुड़ी कहानी में काम करना पसंद करेंगी। नोरा का कहना है कि आर्ट फॉर्म होने के अलावा डांस ने उन्हें मेंटली तौर पर भी फिट रखा है।

सलमान की आमिर को चैंपियन्स के लिए ना

लालसिंह चड्ढा के प्रदर्शन से पूर्व ही यह कहा जा रहा था कि आमिर खान की अगली फिल्म स्पेनिश फिल्म कैम्पियन्स (चैंपियन्स) में काम करेंगे। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आर.एस.प्रसन्ना करेंगे। लालसिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने फिल्मों से ब्रेक ले लिया और अपनी इस फिल्म के लिए उन्होंने सलमान खान को चुना। दोनों के बीच इस रीमेक को लेकर बात चल रही थी। अब सलमान ने इस फिल्म को करने ने इनकार कर दिया है, जिसके बाद अब आमिर ने रणबीर को अप्रोच किया है। लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक ले रखा है। पहले वो इस स्पेनिश फिल्म कैम्पियन्स (चैंपियन्स) में काम करने वाले थे, लेकिन अब बतौर एक्टर वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म के लिए अच्छे एक्टर की तलाश कर रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर ने चैंपियंस के हिंदी रीमेक में लीड रोल निभाने के लिए सलमान को अप्रोच किया था। इतना ही कहा जा रहा था मार्च तक फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडस्ट्री से जुड़े एक सोर्स ने कहा- सलमान खान कैम्पियन्स (चैंपियन्स) रीमके में काम करने के लिए काफी एक्साइटेड थे। हालांकि, बाद में सलमान को रियलाइज हुआ कि फिल्म उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स के बीच आ रही है। डेट्स न मिल पाने के कारण, उन्हें फिल्म से बाहर होना पड़ा। आमिर की यह फिल्म 2018 में आई कैपियन्स का ऑफिशियल रीमेक है, जो कि एक कॉमेडी ड्रामा है। सलमान के प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद अब आमिर ने रणबीर कपूर से कॉन्टैक्ट किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर को भी फिल्म का नैरेशन सुनने के बाद पसंद आया है, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो रणबीर चैंपियन्स में लीड रोल निभाएंगे। रणबीर इन दिनों एनिमल की शूटिंग में बिजी हैं, दूसरी ओर यह भी कहा जा रहा है कि वे सौरव गांगुली की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं, जिसे लव रंजन और अंकुर गर्ग निर्मित करने वाले हैं।

आमिर ने चैंपियन्स के लिए रणबीर को किया अप्रोच

साल की शुरुआत में यह खबर सामने आई थी कि आमिर फिल्म कैम्पियन्स (चैंपियन्स) में सलमान को बतौर एक्टर कास्ट करना चाहते हैं, दोनों के बीच इस रीमेक को लेकर बात चल रही थी। लेकिन अब सलमान ने इस फिल्म को करने ने इनकार कर दिया है, जिसके बाद अब आमिर ने रणबीर को अप्रोच किया है। लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक ले रखा है। पहले वो इस स्पेनिश फिल्म कैम्पियन्स (चैंपियन्स) में काम करने वाले थे, लेकिन अब बतौर एक्टर वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म के लिए अच्छे एक्टर की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर ने चैंपियंस के हिंदी रीमेक में लीड रोल निभाने के लिए सलमान को अप्रोच किया था। इतना ही कहा जा रहा था मार्च तक फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडस्ट्री से जुड़े एक सोर्स ने कहा- सलमान खान कैम्पियन्स (चैंपियन्स) रीमके में काम करने के लिए काफी एक्साइटेड थे। हालांकि, बाद में सलमान को रियलाइज हुआ कि फिल्म उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स के बीच आ रही है। डेट्स न मिल पाने के कारण, उन्हें फिल्म से बाहर होना पड़ा। सलमान के प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद अब आमिर ने रणबीर कपूर से कॉन्टैक्ट किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर को भी फिल्म का नैरेशन सुनने के बाद पसंद आया है, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो रणबीर चैंपियन्स में लीड रोल निभाएंगे। बता दें रणबीर इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट एनिमल की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं जल्द ही एक्टर इंडियन क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग का काम भी शुरू कर देंगे। फिल्म को 2024 तक रिलीज करने की उम्मीद की जा रही है, हालांकि पेपरवर्क पूरा होने के बाद ही फिल्म की फाइनल रिलीज को लेकर कुछ तय किया जा सकेगा।

वेब सीरीज रफूचक्कर से ओटीटी डेब्यू करेंगे मनीष

वेब सीरीज रफूचक्कर का टीजर रिलीज हो गया है। इस सीरीज के साथ मनीष पॉल ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। ये सीरीज कॉन ड्रामा पर बेस्ड है। सीरीज में मनीष पॉल अलग-अलग लोगों के भेष में लोगों से ठगी करते नजर आएंगे। टीजर में दिखाए गए मनीष के अलग-अलग लुक्स को काफी पसंद किया जा रहा है। सीरीज में मनीष पॉल कभी फिटनेस एक्सपर्ट तो कभी वेडिंग प्लानर के रोल में दिखेंगे। वेब सीरीज की शूटिंग नैनीताल और दिल्ली के कुछ इलाकों में हुई है। सीरीज में ठगी का पता लगाने के लिए डीप फेक, फेस मैपिंग और डिजिटल फूटप्रिंट जैसी ने टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को भी फिल्माया गया है। टीजर में दिखाया गया है कि मनीष किस तरह लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनसे ठगी करते हैं और फिर रफूचक्कर हो जाते हैं। इस सीरीज में मनीष के साथ प्रिया बापट और संतोष सिंह भी नजर आएंगे। रीतम श्रीवास्तव सीरीज के डायरेक्टर हैं। सीरीज 15 जून से जिओ सिनेमा पर स्ट्रीम होगी। सीरीज को ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है।

भाजपा के घोषणा पत्र सुझाव अभियान का समारोहपूर्वक शुभारंभ

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र सुझाव अभियान का गुरुवार को राजधानी के एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में समारोहपूर्वक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जन-जन से उनके सुझाव प्राप्त करने के लिए सुझाव पेटिका वितरित की गई। प्रदेशवासी सीधे अपने सुझाव घोषणा पत्र समिति तक पहुंचा सके इस हेतु व्हाट्सएप नंबर 9548656500 जारी किए गए व मेल आईडी भी जारी किया गया। भाजपा कार्यकर्ता सुझाव पेटिका के साथ प्रत्येक विधानसभा स्तर के गाँव-गाँव, घर-घर जाकर सभी सामाजिक धार्मिक व्यापारिक खेल संगठनों के साथ आम जनों से मिलकर सुझाव एकत्रित करेंगे। पार्टी के बस्तर से लेकर सरगुजा तक सभी 35 जिला संगठन इकाइयों के पदाधिकारियों को प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी, घोषणा पत्र समिति के संयोजक विजय बघेल, छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल व मंचस्थ नेताओं ने सुझाव पेटिकाएँ सौंपी।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी श्री माथुर ने कहा कि चुनाव घोषणा पत्र के लिए सीधी जन भागीदारी करके सरकार को जनभावनाओं को अनुरूप संचालित करना भारतीय जनता पार्टी का अपना अभिनव राजनीतिक चिंतन है और भाजपा सन 2003 से इसी प्रकार अपने घोषणा पत्र की रचना करती आ रही है। श्री माथुर ने कहा कि घोषणा पत्र को जनभावनाओं के अनुरूप, छत्तीसगढ़वासियों के मन की बात के अनुरूप बनाने के लिए प्रदेश भाजपा की घोषणा पत्र समिति के मार्गदर्शन में सभी जिलों और विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे। भाजपा कार्यकर्ता समाज जीवन के हर वर्ग तक सुझाव संग्रह करने पहुँचें और समाज को यह संदेश दें संसाधन-संपन्न छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आपकी इच्छा और आपके मन की बात के अनुरूप काम करने वाली होगी।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने सभी धाराओं, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना पर उत्कृष्ट लेखन किया, उनकी रचनाएं कालजयी हैंः मुरारी लाल गुप्त गीतेश

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती समारोह का आयोजन हुआ सम्पन्न

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा के तत्वावधान में दिनॉक 3-8-2023को सायंकाल 5ः00 बजे ÷राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त÷ जयंती समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार श्री मुरारी लाल गुप्त गीतेश ने की। मुख्य अतिथि- के रूप में श्री दिलीप तपा (अध्यक्ष, गहोई वैश्य समाज), विशिष्ट अतिथि- कवि घनश्याम सेठ एवं वक्ता द्वय शिक्षाविद् राधेश्याम सेठ साहित्यकार अशोक कुमार पहारिया एवं डॉ.पद्मा शर्मा, उपाध्यक्ष एवं सभा के अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव मंचासीन रहे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर एवं मैथिलीशरण गुप्त के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। सरस्वती वंदना मंत्रिता शर्माने प्रस्तुत की। अतिथि परिचय कार्यक्रम संयोजिका डॉ मंजुला लता आर्य ने किया। अतिथियों का स्वागत कुमार संजीव सभा अध्यक्ष, दिलीप मिश्रा, राम चरण रुचिर सभा प्रचार प्रसार मंत्री, एवं सुरेश हिंदुस्तानी ने किया। व्याख्यान के क्रम में सर्वप्रथम जान्हवी नाईक ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं यशोधरा एवं साकेत के लेखन पर अत्यंत प्रभावी उद्बोधन दिया । तत्पश्चात पुष्पा शर्मा ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को एक अद्भुत कवि के रूप में उनकी रचनाओं को राम भक्ति भावना व राष्ट्र से भक्ति भावना का अनूठा संगम बताया। उन्हें उनकी पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहा, जो भरा नहीं है भावों से जिसमें बहती रसधार नहीं। हृदय नहीं वह पत्थर है जिसमें राष्ट्र का प्यार नहीं। एवं अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी ।आदि अद्भुत कविताओं का उल्लेख किया। तत्पश्चात संगीता गुप्ता ने मैथिलीशरण गुप्त की पंचवटी की रचना चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल थल में ।स्वच्छ चांदनी बिछी हुई थी अवनि और अंबर तल में । सुमधुर स्वर में प्रस्तुत कर उनके राष्ट्र कवि के लेखन को जीवंत कर दिया। अगले क्रम में वक्ता के रूप में अशोक कुमार पहाडरिया ने बताया राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म एवं लालन पोषण चिरगांव में हुआ बे कक्षा नौवीं तक ही शिक्षा प्राप्त कर सके, उनकी रचनाएं उनके गुरु महावीर प्रसाद द्विवेदी से प्रभावित होकर उत्कृष्ट रहीं। उनकी आधार राम रहे साकेत मैं यह स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है उन्होंने जैन सेक्स मुस्लिम

धर्म पर भी लेखन किया बे खड़ी बोली के वीर एवं अलंकार से सुसज्जित रचनाकार थे 1925 में अंग्रेजों ने उन्हें बंदी बना लिया झांसी की जेल पर आधारित लिखी भारत भारती में उन्होंने देशभक्ति पूर्ण वर्णन किया है। मैंने अपनी साहित्य में प्रोत्साहन पूर्ण करते काव्य सृजन करते हुए में रखने पर उन्हें मिलने वालों की संख्या अधिक होने के कारण अंग्रेजों ने उन्हें आगरा जेल में स्थानांतरित कर दिया। राष्ट्रवादी लेखन, देश प्रेम कहा, नर हो न निराश करो मन को, कुछ काम करो कुछ काम करो। द्वितीय वक्ता के रूप में राधेश्याम सेठ ने कहा राष्ट्रकवि की तीन शादियां हुईं। उनका वैष्णव भाव रहा, महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के कहने पर उन्होंने भारत भारती नामक काव्य लेखन किया।राष्ट्रीय लेखन कर राष्ट्रकवि कहलाए। इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया । विशेष अतिथि घनश्याम सेठ ने अपनी अभिव्यक्ति कविता के रूप में दी। उन्होंने कहा । ÷ एक जिला झांसी सुनो यूपी के दरम्यान। इसी जिले में चिरगांव है सुंदर स्थान। यही थे जन्मे राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त महान । पिता थे देशभक्त रामचरण जी, और अनुज सिया शरण जी अनुज तुम्हारे देते थे सम्मान। सुनाकर काव्यात्मक परिचय दिया। मुख्य अतिथि दिलीप तपाने भी मैथिलीशरण गुप्त के जीवन से जुड़ी हुई अनेक राष्ट्र प्रेरक घटनाओं को पटल पर रखा। अध्यक्षीय उद्बोधन में मुरारी लाल गुप्त गीतेश ने कहा महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र और मैथिलीशरण गुप्त नहीं होते तो आज हिंदुस्तान में हिंदी साहित्य को इतनी ऊंचाइयां नहीं मिलतीं। भारतीय मनीषा के अनुरूप यदि जानना चाहते हो तो इन्हीं विभूतियों के संदर्भ में पढ़ना होगा ।राष्ट्र कवि ने 40 काव्य ग्रंथों की रचना की। मैथिलीशरण अपनी धाराओं में सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय भावना के कवि थे।वे कालजयी कवि थे। काव्य सृजन को स्थापित करने में समर्थ थे। समस्त साहित्य पढ़ने पर हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त की जानी चाहिए ।नए मानवतावादी रूप में अपनी कविता उन्होंने प्रस्तुत की ।मैथिलीशरण गुप्त के कार्य के प्रति यह कह सकते हैं। वह युग धर्म,राष्ट्र धर्म एवं राष्ट्रीय लोक चेतना के प्रवर्तक थे। उनकी रचनाएं कालजयी हैं। वह हमेशा हमारे राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा देतीं रहेंगीं। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि प्रकाश मिश्रा, सभा मंत्री धीरज शर्मा, सह मंत्री उपेंद्र कस्तूरे,रामचरण रुचिर,प्रचार प्रसार मंत्री, दिलीप मिश्रा, सुरेश हिंदुस्तानीर मेश कटारिया पारस, हास्य कवि प्रकाश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य जन एवं साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्याप्ति उमरे करने किया एवं कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन संयोजिका डॉ वंदना सेन ने किया।

सरसों खरीदी में भ्रष्टाचार मामले में सहायक आयुक्त निलंबित

प्रबंधक ने किया घोटाला, आयुक्त हुए निलम्बित

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

मौ। मौ विपणन सहकारी समिति द्वारा की गई करोड़ों रुपए के फर्जी एंट्री एवं भुगतान को लेकर शिकायत के चलते भिंड कलेक्टर द्वारा दोषियों पर कार्यवाही के आदेश का पालन नहीं कर पाने के कारण सहायक आयुक्त भिंड को निलंबित कर दिया गया है। मध्यप्रदेश सहकारिता मंत्रालय ने दिनांक 27.07.23 को आदेश जारी कर बताया कि आयुक्त द्वारा वेयरहाउस मालिक एवं अन्य दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही न करते हुए उनके बचाव का कार्य किया जा रह है इस कारण उन्हें उन्हें निलंबित किया जाता है। शिकायत कर्ता संजीव यादव पार्षद वार्ड नं 08 ने बताया की मौ में सरसो खरीद में करोड़ों रुपए के घोटाले किए गए हैं जिस में मौ मार्केटिंग प्रबंधक और वियर हाउस मालिक की मिली भगत से मौ में भ्रष्टाचार का पहाड़ लगा दिया है श्री यादव ने शिकायत कर अपेक्षा की है कि जल्द से जल्द मौ प्रबंधक और वेयर हाउस मालिकों पर भी उचित कार्रवाई की जाए।

पुलिसकर्मियों को दी गई सीपीआर की विशेष ट्रेनिंग

हार्ट अटैक आने पर बचा सकते हैं लोगों की जान

ग्वालियर। पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार एवं पुलिस लाइन ग्वालियर में इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के द्वारा नेशनल बोन एण्ड जॉइन्ट डे के अवसर पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में ग्वालियर ऑर्थोपेडिक सोसाइटी के द्वारा थीम पर सड़क दुर्घटना, हृदयघात एवं अन्य किसी भी चिकित्सीय आकस्मिकता के दौरान पुलिस कर्मियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल,भापुसे एवं डॉ. आर.के.एस.धाकड़, अधीक्षक जेएएच अस्पताल ग्वालियर, डॉ. आर.एस.बाजौरिया ऑर्थोपेडिक विभागाध्यक्ष जेएएच ग्वालियर, डॉ. सुरेन्द्र यादव की उपस्थिति में मास्टर ट्रेनर, जेएएच ग्वालियर डॉ. नीलम टण्डन द्वारा दिया गया। पुलिस लाइन ग्वालियर एवं पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार ग्वालियर में ग्वालियर पुलिस के अधिकारी/कर्मचारियों के लिये कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जेएएच हॉस्पिटल ग्वालियर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों का पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। प्रशिक्षण के दौरान एसपी ग्वालियर जोन ने उपस्थित पुलिस कर्मियों से कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण सभी लोगों को प्राप्त करना चाहिए क्योंकि इससे आप किसी आपात स्थिति में किसी पीड़ित को सीपीआर देकर उसकी जान बचा सकते हैं और आप प्रशिक्षण प्राप्त कर अन्य लोगों को भी सीपीआर संबंधी प्रशिक्षण दें, सीपीआर प्रशिक्षण जीवन रक्षा के लिए आवश्यक है इसके द्वारा आप किसी का जीवन बचा सकते हैं। पुलिस लाइन ग्वालियर में आयोजित शिविर में रक्षित निरीक्षक ग्वालियर सत्यप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में पुलिस कर्मियों ने सीपीआर संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर, जेएएच ग्वालियर डॉ. नीलम टण्डन ने उपस्थित पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को बताया कि विगत कुछ समय से हार्ट अटैक के मामले में लगातार वृद्धि हो रही है, इसलिए आपात स्थिति में हार्ट अटैक के मरीज की जान बचाने हेतु अधिक से अधिक लोगों को सीपीआर देने के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को भी सीपीआर का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी किसी भी व्यक्ति या परिजन को हार्ट अटैक आने पर जान बचाने में सहायक होंगे। मास्टर ट्रेनर ने बताया कि सीपीआर देते समय पीड़ित की 5-6 सेंटीमीटर छाती दबना चाहिए और 1 मिनिट में 100 से 120 बार पुस करना चाहिए। जेएएच हॉस्पिटल ग्वालियर से आये विशेषज्ञों ने बताया कि हार्ट अटैक आने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल सीपीआर देने से उसकी जान बचने की संभावना लगभग दोगुनी हो जाती है। जेएएच हॉस्पिटल से आये विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा आज 02 घण्टे सीपीआर का प्रैक्टिकली प्रशिक्षण दिया गया और उक्त प्रशिक्षणों से ग्वालियर पुलिस के पुलिसकर्मियों ने लाभ लिया और भविष्य में आने वाली इस प्रकार की आपात स्थिति के लिये तैयार हुये। प्रशिक्षण शिविर के अंत में रक्षित निरीक्षक पुलिस लाइन ग्वालियर सत्यप्रकाश मिश्रा ने उपस्थित विशेषज्ञ डॉक्टरों का पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए आभार व्यक्त किया।

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो रही है तो कांग्रेस क्यों परेशान हैः केदार गुप्ता

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि जब भ्रष्ट अधिकारियों व कुछ लोगों पर ईडी एवं आईटी के छापे की कार्यवाही हो रही तो कांग्रेस क्यों परेशान है। कांग्रेस का हाथ क्या भ्रष्टाचारियों के साथ है इस पर कांग्रेस को अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला, कोयला घोटाला और ऐसे दर्जनों घोटालों में कांग्रेस पूरी तरह डूबी हुई है। साक्ष्यों के साथ मामले अदालत में पेश किए जा रहे है। माननीय न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को जेल भेज रही है संलिप्त अधिकारियों पर कार्रवाई हो रही है। यह दिन के उजाले की तरह साफ है। कांग्रेस का एक तबका भी इस तरह के घोटाले होने को स्वीकार कर रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि जब अधिकारियों एवं व्यवसायियों के बीच बातचीत के ऑडियो एजेंसियों ने माननीय न्यायालय में पेश किए है। इसके अलावा हजारों दस्तावेजी सबूत ईडी और आईटी ने रायपुर दिल्ली और भोपाल में दर्ज मामलों में पेश किए हैं। इन दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से यह दिन के उजाले की तरह साफ है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से किस तरह से सुनियोजित और संगठित लूट के लिए माफिया और सरकारी अधिकारियों के बीच गठजोड़ बन गया था।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि इस अपवित्र गठजोड़ के पीछे कांग्रेस सरकार के सर्व शक्तिमान चेहरों की संलिप्तता को लेकर भी दोनों एजेंसियों ने न्यायालय में अकाट्य सबूत पेश किए हैं। ईडी ने माननीय उच्चतम न्यायालय और रायपुर के विशेष न्यायालय में अलग-अलग हलफनामों में बार-बार इंगित किया है कि यह संगठित लूट सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति और उसके चेहेतों के इशारों पर हो रही थी। वहीं दूसरी ओर घोटाले में फंसे कांग्रेसी इसे षड़यंत्र करार देने का प्रयास कर रहे है। भाजपा ने स्पष्ट किया कि ईडी और आईटी की कार्यवाही से न तो उनकी पार्टी और न ही उनके नेताओं के सरोकार है। यह कार्यवाही सिर्फ और सिर्फ कांग्रेसियों की कर्मों का परिणाम है।

ईमानदार पत्रकार निरंजन संपादक यदुराज शर्मा नहीं रहे

ग्वालियर/भोपाल। अंततः पिछले 11 दिन से जीवन के लिये संघर्ष कर रहे वरिष्ठ पत्रकार व निरंजन के प्रधान संपादक यदुराज शर्मा नहीं रहे। वह भोपाल के नर्मदा ट्रेामा हास्पीटल में भर्ती थे और बीते दिनों 25 जुलाई को एक स्कूली बस ने उन्हें टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। 56 वर्षीय यदुराज शर्मा एक गंभीर और ईमानदार पत्रकार थे और सदा पत्रकारों के हित के लिये सोचते थे। उन्होंने निरंजन अखबार को पुनः ख?ा करने में काफी मशक्कत की थी और अपने बाल मित्र सत्ता सुधार के चेयरमैन गोपाल श्रीवास्तव के साथ ही रहते थे। उनके निधन की खबर लगते ही पत्रकार जगत में शौक का माहौल है। दुर्घटना के बाद वरिष्ठ पत्रकार व सत्ता सुधार के चेयरमैन गोपाल श्रीवास्तव ही उनकी देखभाल कर रहे थे। चूंकि यदुराज शर्मा की पत्नी पूर्व में ही नहीं रही थी तो उनका पुत्र आयुष शर्मा उनके साथ था। आज उनका अंतिम संस्कार भी भोपाल में ही किया गया। यदुराज शर्मा के निधन पर एमपी जर्नलिस्ट यूनियन के सह प्रदेश अध्यक्ष विनय अग्रवाल, वरिष्ठ संपादक सुरेश शर्मा, जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा, जितेन्द्र पाठक, श्याम श्रीवास्तव, धीरज बंसल, अंकित सिंघल, आनंद श्रीवास्तव, फूलचन्द्र मीणा, पवन परूथी, योगेन्द्र शर्मा, जोगेन्द्र सेन, राजेश शर्मा, मुकेश बाथम, राजेश जायसवाल छोटू, राकेश वर्मा, रामकिशन कटारे, लोकेन्द्र भार्गव, जितेन्द्र परिहार, मोहन सिंह वर्मा, विनोद गुप्ता, विनोद शर्मा, जावेद खान, नासिर गौरी, दीपक दिलेर, गुलशन परूथी, प्रदीप गर्ग, आदि ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

पदस्थापनाओं में हुई गंभीर अनियमितता के मामले में मुख्यमंत्री बघेल जिम्मेदारी अपने ऊपर लें: भाजपा

प्रदेश महामंत्री व पूर्व शिक्षा मंत्री कश्यप ने कहा ः जब पदस्थापनाओं में इतना बड़ा घोटाला सामने आया है तो इस कांग्रेस सरकार के शासनकाल में भर्तियों में कितना घोटाला किया होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री केदार कश्यप ने शिक्षा विभाग में पदस्थापनाओं में हुई गंभीर अनियमितता के मामले में प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और मांग की है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस भ्रष्टाचार की जिम्मेदारी अपने ऊपर लें, क्योंकि इतना बड़ा भ्रष्टाचार बिना उच्चस्तरीय राजनीतिक संक्षण के मुमकिन नहीं है। श्री कश्यप ने कहा कि जब पदस्थापनाओं में इतना बड़ा घोटाला सामने आया है तो इस कांग्रेस सरकार के शासनकाल में भर्तियों में कितना घोटाला किया होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। भाजपा प्रदेश महामंत्री व पूर्व शिक्षा मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पदस्थापनाओं के इस पूरे घोटाले में एक पूरा रैकेट सक्रिय रहा है और इस रैकेट के तार मुख्यमंत्री व मंत्री के दफ्तरों से लेकर तत्कालीन शिक्षा सचिव के दफ्तर तक जुड़े थे। एक मातहत अधिकारी बिना उच्चस्तरीय राजनीतिक संरक्षण व दबाव के इतने बड़े घोटाले को अंजाम नहीं दे सकता। श्री कश्यप ने कहा कि नई भर्तियों में युवाओं के साथ किस प्रकार छलावा हुआ है, उनसे किस प्रकार उगाही की गई है, यह पदस्थापना घोटाले के इस ताजे खुलासे से समझा जा सकता है। प्रदेश सरकार पदस्थापना घोटाले में संलिप्त अधिकारियों के केवल निलंबन की घोषणा करके और दिखावे की कार्रवाई करके अपने दायित्व की इतिश्री न करे। भाजपा प्रदेश महामंत्री व पूर्व शिक्षा मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि इस मामले में लीपापोती करके इस गंभीर भ्रष्टाचार से प्रदेश की जनता और युवाओं का ध्यान भटकाने की सरकार की कोशिशों को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी। लगातार जुमलेबाजी करने में मशगूल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने ऐसा एक भी क्षेत्र नहीं छोड़ा है, जहाँ उसने भ्रष्टाचार नहीं किया है। अपने पूरे शासनकाल में कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने घपलों-घोटालों की ऐसी-ऐसी मिसालें पेश की हैं कि 2004 से 2014 के यूपीए की केंद्र सरकार में हुए भ्रष्टाचार की यादें ताजा हो रही हैं। यह कांग्रेस और भ्रष्टाचार के परस्पर पर्याय होने का प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ में 1334 करोड़ 65 लाख का गोठान घोटाला

कांग्रेसी भ्रष्टाचार के स्मारक बन गए गोठान- बृजमोहन, एक-एक गाय के नाम पर 40-40 लाख की लूट, एक गाय के पीछे तीन चरवाहे तैनात, केंद्र ने जनता को दिया पैसा, खा रहे हैं कांग्रेस के लोग, गोठान घोटाले की कराई जाए केंद्रीय एजेंसी से जांच

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कृषि मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने आज यहां भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस सरकार पर एक अरबों रुपये के गोठान घोटाले का तथ्यात्मक आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गोठान कांग्रेसी भ्रष्टाचार के स्मारक बन गए हैं। एक गाय के पीछे तीन चरवाहे तैनात हैं और एक एक गाय पर 40-40 लाख रुपये खर्च करना बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मद का पैसा जनता के लिए मिला, जिसे कांग्रेस की सरकार ने गोठान की आड़ में कांग्रेस के लोगों पर लुटा दिया। इस सरकार के सारे घोटाले सामने आ रहे हैं। गोठान घोटाले की जांच केंद्रीय एजेंसियों से कराई जानी चाहिए।

पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा दिए गए जवाब के हवाले से जानकारी देते हुए आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वीकार कर चुकी है कि प्रदेश में गोठान योजना पर कुलल 1134 करोड़ 65 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। जबकि लावारिस गायों की संख्या सिर्फ 3380 है। जिसका सीधा मतलब यह है कि हर गाय पर लगभग 40 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। सबसे विचित्र बात यह है कि लावारिस गायों की संख्या मात्र 6 जिलों की है। 3380 गाय गोठान में हैं। प्रदेश में 9303 चरवाहे तैनात हैं। मतलब हर गाय पर यह सरकार 3 चरवाहे रखे हुए है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि 10240 गौठान समितियों का गठन गायों के लिए नहीं बल्कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के गुजारे के लिए किया गया है। सड़कों पर मवेशी हैं तो यह रोका छेका के नाम पर करोड़ों रुपए कहां जा रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि एक गाय के ऊपर 40 लाख रुपए खर्च करना क्या छत्तीसगढ़ मॉडल हैड़ हर गाय पर तीन चरवाहे के बावजूद सड़कों पर मवेशियों को रोक नहीं पा रहे। गोठानों के बारे में विधानसभा में जानकारी मांगी गई तो 10240 गोठानों का निर्माण करने की जानकारी मिली इसमें 1334 करोड़ 65 लाख रुपये खर्च किए गए। निर्माण पर 11 लाख 42 हजार करोड़ खर्च हुए, शेड निर्माण में 192 करोड़ खर्च हुआ,

चरवाहों की संख्या 9303 और लावारिस गायों की संख्या है 3380। यह विधानसभा के प्रश्न में बताया गया है। 35 जिलों में से सिर्फ 6 जिलों में लावारिस गाय हैं। बाकी जिलों में सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि वहां गौठान मैं गाय नहीं रखी जा रही। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि यह गोठान गायों के लिए हैं, जनता के लिए हैं या कांग्रेस नेताओं के घोटालों के लिए यह गौठान बनाएं हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रोकाछेका के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। यह जो रोका छेकाका है, यह जानवरों को सड़कों पर आने से रोकने के लिए है या जानवरों के द्वारा मानव को सड़कों पर रोकने के लिए है। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि भाजपा ने जो घोटालों की पोल खोलने का कार्यक्रम चलाया था उस कार्यक्रम के माध्यम से यह बात सामने आ गई थी कि गौठान भ्रष्टाचार के अड्डे बने हुए हैं। यह जो करोड़ों रुपए खर्च हुए, यह कहां खर्च हुए। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस के नेता झूठ बोलने में इतने माहिर हो गए हैं कि बिना पलक झपकाए हर पल झूठ बोलते हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि बारिश में सड़कों पर गौ माता बैठी है उन्हें छत का सहारा दीजिए। करोड़ों खर्च कीजिए मगर गौ माता को इस तरह न छोड़े। यह गौठान जो भ्रष्टाचार के स्मारक हैं। यह गौ माता के काम के नहीं हैं। विधानसभा में जवाब में सरकार ने स्वीकार किया है। उसके दस्तावेज मौजूद हैं। सरकार ने 1334 करोड़ 65 लाख का घोटाला किया है। हम चाहेंगे कि ईडी शराब घोटाला कोयला घोटाला की तरह इस मामले में सरकार को भी आबरू करे। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि गौठान घोटाले की जांच बहुत जरूरी है। इसमें जो पैसा खर्च किया गया, वह सब केंद्र का है। मनरेगा का पैसा, 14वें वित्त आयोग का पैसा, 15वें वित्त आयोग का पैसा, डीएमएफ का पैसा, समस्त प्राधिकरण का पैसा, अधोसंरचना मद का पैसा, स्वच्छ भारत मिशन का पैसा, सीएसआर का पैसा है। राज्य सरकार ने अपने मद से गौठान के लिए क्या खर्च किया है, सरकार को यह बताना चाहिए। मनरेगा से 816 करोड़ रुपए खर्च किए। जो पैसा मजदूरी में बंटना चाहिए, वह भ्रष्टाचार में बंट गया। 14वें वित्त आयोग का 99 करोड़ 15 वे वित्त आयोग का 74 करोड़, डीएमएफ का 81 करोड़, समस्त प्राधिकरण का 23 करोड़ संरचना मद का 7 करोड़ स्वच्छ भारत मिशन का 9 करोड रुपए सीएसआर 71 लाख अन्य मदद से 22 करोड़ खर्च किया गया है। आखिर इन्हें केंद्र द्वारा जन हितेषी कामों के लिए दिए जाने वाले पैसे को इस तरह खर्च करने का अधिकार किसने दे दिया। आम जनता को फायदा मिलना चाहिए उसके लिए पैसा दिया जाता है लेकिन कांग्रेस सरकार ने कांग्रेसियों को लाभ पहुंचाने के लिए घोटाला किया। इसकी जांच होना चाहिए। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा, सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल व भाजयुमो जिला अध्यक्ष गोविंद गुप्ता उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478